मेट्रो Rays
आगे रखने का वादा
सांध्य दैनिक

रांची, गुरुवार, 2 जुलाई 2026

संवत 2083, अषाढ़ कृष्ण पक्ष 03 मूल्य-3 रुपये

वर्ष-9, अंक 288 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ क्या कागजों पर सिमट रही हैं ग्राम सभाएं?

22 साल बाद अक्षय संग काम कर क्या बोली रवीना टंडन ◂◂ 6

राज्यपाल ने भरा गणना प्रपत्र, नागरिकों से एसआईआर में शामिल होने की अपील

संवाददाता

रांची: मतदाताओं के विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत आज राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने लोकभवन में स्वयं गणना प्रपत्र भरकर एवं उस पर हस्ताक्षर कर रांची विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के मतदान केंद्र संख्या-16 के बूथ स्तर पदाधिकारी (इछड) मंजू कच्छप को सौंपा। इस अवसर पर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के। रवि कुमार, जिला निर्वाचन पदाधिकारी मंजूनाथ भजंत्री और निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी (एफ्ड) सह अनुमंडल पदाधिकारी कुमार रजत उपस्थित रहे।

इस मौके पर राज्यपाल ने राज्य के सभी पात्र भारतीय नागरिकों से आह्वान किया कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत जब बूथ स्तर पदाधिकारी (इछड) उनके घर गणना प्रपत्र लेकर आएं, तो वे उसे तत्काल भरकर हस्ताक्षर सहित बीएलओ को उपलब्ध कराएं, ताकि प्रत्येक पात्र भारतीय नागरिक का नाम मतदाता सूची में सम्मिलित किया जा सके।

राज्यपाल ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम से जुड़े सभी पदाधिकारियों एवं कर्मियों को इस महत्वपूर्ण अभियान के सफल एवं प्रभावी क्रियान्वयन हेतु शुभकामनाएं दीं और विश्वास जताया कि उनके समर्पित प्रयासों से राज्य के प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में सुनिश्चित रूप से दर्ज किया जा सकेगा। मतदाताओं के विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया के तहत राज्य के 2 करोड़ 64 लाख 63 हजार 236 वोटरों की जांच होगी। प्रत्येक वोटर के लिए दो-दो इन्म्यूरेशन फॉर्म उपलब्ध कराए गए हैं, जिन्हें हस्ताक्षर कर वोटर बीएलओ को सौंपेंगे। 29 जुलाई तक चलनेवाले इन्म्यूरेशन के दौरान बीएलओ घर-घर जाकर प्रत्येक वोटर से संपर्क करेंगे। इन्मूरेशन फॉर्म में पिछले एसआईआर में दर्ज वोटर की जानकारी जिक्र करना अनिवार्य होगा और उसपर हस्ताक्षर कर बीएलओ को हर वोटर सौंपेंगे।

रांची में शराब फैक्ट्री में रेड, आरजेडी के पूर्व एमएलसी गिरफ्तार

संवाददाता

रांची: आरजेडी के पूर्व एमएलसी सुबोध राय को अवैध शराब बनाने के आरोप में रांची पुलिस ने गिरफ्तार है। उत्पाद विभाग की छापेमारी के दौरान पूर्व एमएलसी की फैक्ट्री से अवैध शराब जब्त किया था। जिसके बाद उन्हें बुधवार की देर रात गिरफ्तार कर लिया गया ।

क्या है पूरा मामला : रांची के ओरमांझी स्थित तरंगनी लिकर्स प्राइवेट लिमिटेड में पुलिस और उत्पाद विभाग की संयुक्त टीम ने छापेमारी कर 303 पेटी विदेशी शराब जब्त किया है। कार्रवाई के दौरान फैक्ट्री के मालिक राजद नेता और पूर्व एमएलसी सुबोध राय, उनके चालक देवेंद्र भगत और कर्मचारी रविकांत राय को गिरफ्तार किया गया है। ओरमांझी थाना प्रभारी मनोज कुमार ने तीनों के गिरफ्तारी की पुष्टि की है।

सूचना के आधार पर पुलिस ने की कारवाई : उत्पाद विभाग के अफसरों से मिली जानकारी के अनुसार छापेमारी सहायक उत्पाद आयुक्त उमाशंकर सिंह के नेतृत्व में शुरू की गई थी। टीम ने फैक्ट्री के गोदामों और उत्पादन क्षेत्र से बड़ी मात्रा में संदिग्ध शराब, पैकेजिंग सामग्री और फर्जी लेबल बरामद किए। बरामद माल पर नामी ब्रांडों के नकली लेबल लगाकर उसे सस्ते दाम पर बाजार में उतारा जा रहा था। जिससे सार्वजनिक स्वास्थ्य और सुरक्षा को गंभीर खतरा पैदा हो सकता था।

जांच में पता चला कि प्लांट में कम से कम तीन अलग-अलग ब्रांड के नाम पर अवैध रूप से शराब तैयार की जा रही थी। कई बोतलों पर 'ऋ१ रं'ी डल्ल'८ ल्ल वढ' का लेबल लगा मिला, जिससे आरोप है कि शराब को उत्तर प्रदेश और दिल्ली के बाजारों में भेजने के लिए तैयार किया जा रहा था। जांच टीम को पैकिंग के लिए इस्तेमाल की जा रही सामग्री और लेबलिंग के उपकरण भी मिले हैं।

पहले भी हुआ है रेड : ओरमांझी पुलिस ने बताया कि यह मामला नया नहीं है। मार्च 2023 में भी इसी फैक्ट्री पर छापेमारी हुई थी। उस समय 108 बोतल अवैध शराब बरामद हुई थीं और फैक्ट्री को सील कर कारण बताओ नोटिस दिया गया था। जिसके बाद फैक्ट्री संचालन बंद हुआ था। लेकिन अब फिर से उत्पादन और पैकिंग शुरू होने के सबूत मिले हैं।

ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई के जनाजे में शामिल होंगी महबूबा मुफ्ती

श्रीनगर : जम्मू-कश्मीर पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की अंतिम यात्रा में शामिल होने के लिए ईरान जाएंगी। वह वहां जाकर दिवंगत नेता को अंतिम श्रद्धांजलि अर्पित करेंगी और ईरान की जनता के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त करेंगी। पार्टी की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, महबूबा मुफ्ती को ईरान के सर्वोच्च नेता के कार्यालय के अंतरराष्ट्रीय संबंध विभाग की ओर से औपचारिक निमंत्रण भेजा गया है। निमंत्रण पत्र में कहा गया है कि 28 फरवरी 2026 को अयातुल्ला अली खामेनेई के निधन पर ईरान में राष्ट्रीय शोक घोषित किया गया है और राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई का आयोजन किया जा रहा है। निमंत्रण में महबूबा मुफ्ती को भारत की एक विशिष्ट राजनीतिक हस्ती के रूप में समारोह में शामिल होने का आग्रह किया गया है। पत्र में कहा गया है कि उनकी उपस्थिति भारत और ईरान के बीच ऐतिहासिक मित्रता, आपसी सम्मान और दोनों प्राचीन सभ्यताओं के गहरे संबंधों का प्रतीक होगी।

कार्यक्रम के अनुसार, 3 जुलाई को तेहरान स्थित इमाम खोमैनी ग्रैंड मुसल्ला परिसर में श्रद्धांजलि समारोह आयोजित किया जाएगा। 4 जुलाई को समिट कॉन्फ्रेंस हॉल में स्मृति सभा होगी, जबकि 6 जुलाई 2026 को तेहरान में अंतिम यात्रा निकाली जाएगी।

पीडीपी की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि महबूबा मुफ्ती ईरान की यात्रा के दौरान अयातुल्ला अली खामेनेई को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगी तथा ईरान के लोगों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करेंगी।

बता दें कि ईरान पर हुए अमेरिकी-इजरायली हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता की मौत हो गई थी, जिसके बाद उनके शव को सुरक्षित रखा गया है। अब उन्हें सुपुर्द ए खाक किया जाएगा। उनकी अंतिम विदाई में शामिल होने के लिए दुनियाभर के कई नेताओं को निमंत्रण भेजा गया है।

पीएम ताकाइची से द्विपक्षीय वार्ता के बाद पीएम मोदी बोले

ये भारत-जापान के बीच नए अध्याय की शुरूआत

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जापानी पीएम साने ताकाइची ने एक साझा प्रेस वार्ता की। इस दौरान भारत के पीएम ने दोनों देशों की साझेदारी को और सुदृढ़ करने का संकल्प दिखाया। पीएम ताकाइची को प्रधानमंत्री ने छोटी बहन कह कर संबोधित किया। प्रधानमंत्री मोदी ने स्वागत करते हुए कहा, भारत-जापान शिखर सम्मेलन के लिए छोटी बहन प्रधानमंत्री ताकाइची का भारत में अपनी पहली यात्रा पर स्वागत करते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है। वे जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री भी हैं और एक दूरदर्शी और लोकप्रिय नेता भी हैं। प्रधानमंत्री ताकाइची और मेरा विश्वास है कि टेक्नोलॉजी पार्टनरशिप हमारे सहयोग का सबसे मजबूत स्तंभ बनेगी। इसी विजन को साकार करने के लिए, आज एआई के क्षेत्र में हमने एक ज्वाइंट स्टेटमेंट जारी किया है। भारत के पीएम ने आगे कहा, ताकाइची नारा प्रीफेक्चर से आती हैं, जो साझा बौद्ध विरासत का केंद्र है। जी7 में मैंने कहा था कि उथल पुथल के माहौल में यह एक वैश्विक स्ट्रेटजिक एसेट है। भारत-जापान की साझेदारी इस कसौटी पर खरी उतरती है। पिछले कई दशकों में ऑटोमोटिव से लेकर इलेक्ट्रॉनिक्स तक में जापान ने भारत की ग्रोथ स्टोरी का अहम हिस्सेदार बनकर दोस्ती और विश्वास की एक अमूल्य पूंजी बनाई है। आज ताकाइची की यात्रा से हम अपनी स्पेशल स्ट्रेटजिक एंड ग्लोबल पार्टनरशिप के नए अध्याय की शुरूआत कर रहे हैं।

पीएम ने दोनों ही देशों को आर्थिक तौर पर काफी मजबूत बताते हुए आगे कहा, कि आज भारत और जापान दोनों ही विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में से हैं।एक स्वतंत्र, समृद्ध और नियम आधारित इंडो पैसिफिक हमारी साझा प्राथमिकता है।

प्रधानमंत्री ने तकनीकी क्षेत्र में हो रहे निवेश की चर्चा की। आगे कहा, जापान की प्रीसिजन टेक्नोलॉजी और भारत की सॉफ्टवेयर क्षमता का संगम वैश्विक एआई विकास को नई गति और शक्ति देगा। डिफेंस के क्षेत्र में आज हमने भारत और जापान के पहले को-डेव्लपमेंट प्रोजेक्ट पर समझौता किया है। भारत और जापान की निवेशक के तौर पर साझेदारी निरंतर सुदृढ हो रही है। पिछले 1 वर्ष में करीब 120 नए व्यावसायिक समझौते हुए हैं, जिनसे भारत में 10 बिलियन डॉलर से अधिक जापानी निवेश आएगा। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची के बीच गुरुवार को नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में द्विपक्षीय बैठक की। दोनों नेताओं के बीच निवेश, रक्षा, सेमीकंडक्टर, क्रिटिकल मिनरल्स, सप्लाई चेन, समुद्री सुरक्षा और क्षेत्रीय-वैश्विक मुद्दों पर चर्चा हुई। यह बैठक 16वें भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन का हिस्सा है। इससे पहले राष्ट्रपति भवन में ताकाइची का औपचारिक स्वागत किया गया और उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। साने ताकाइची प्रधानमंत्री बनने के बाद पहली बार भारत आई हैं। तीन दिवसीय दौरे के दौरान वह इंडिया-जापान बिजनेस फोरम में भी हिस्सा लेंगी, जहां दोनों देशों के बीच निवेश और आर्थिक सहयोग बढ़ाने पर फोकस रहेगा।

चीन पनामा नहर पर कब्जा करने की कोशिश कर रहा है, हम ऐसा नहीं होने देंगे: राष्ट्रपति ट्रंप

वाशिंगटन : राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर पनामा नहर का नियंत्रण पनामा को सौंपे जाने के फैसले की आलोचना की। उन्होंने कहा कि चीन इस रणनीतिक जलमार्ग पर अपना प्रभाव बढ़ाने की कोशिश कर रहा है और अमेरिका ऐसा हरगिज नहीं होने देगा। ट्रंप ने दोहराया कि उनकी सरकार इस अहम जलमार्ग पर चीन के बढ़ते दखल को रोकने के लिए हर जरूरी कदम उठाएगी। नॉर्थ डकोटा के मेडोरा में थियोडोर रूजवेल्ट प्रेसिडेंशियल लाइब्रेरी के उद्घाटन समारोह में बुधवार (स्थानीय समय) को राष्ट्रपति ट्रंप ने नहर के कंस्ट्रक्शन की देखरेख के लिए पूर्व प्रेसिडेंट थियोडोर रूजवेल्ट की तारीफ की और इसे अमेरिकी इतिहास की सबसे बड़ी इंजीनियरिंग उपलब्धियों में से एक बताया। ट्रंप ने कहा, अब चीन पनामा नहर पर कब्जा करने की कोशिश कर रहा है और हम ऐसा नहीं होने देंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति ने नहर का नियंत्रण ट्रांसफर करने के अमेरिका के फैसले की अपनी पुरानी आलोचना दोहराई और कहा कि यह एक गलती थी।

उन्होंने कहा, हमने इसे दे दिया। यह अब तक की सबसे महंगी चीज थी जो हमने बनाई थी और यह अब तक की सबसे ज्यादा फायदेमंद चीज भी थी।

उन्होंने यह भी दावा किया कि नहर का नियंत्रण लेने के बाद पनामा ने ट्रांजिट फीस में तेजी से बढ़ोतरी की। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, उन्होंने जो पहला काम किया, उन्होंने जहाजों की कीमतें चार गुना बढ़ा दीं और उन्हें एक भी जहाज नहीं खोना पड़ा। और फिर उन्होंने इसे दो बार और बढ़ाया, और उन्हें एक भी जहाज नहीं खोना पड़ा। राष्ट्रपति ने रूजवेल्ट की विरासत पर चर्चा करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि पूर्व राष्ट्रपति का नेतृत्व संरक्षण और घरेलू सुधारों से आगे बढ़कर पनामा नहर सहित बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स तक फैला हुआ था। ट्रंप ने नहर के बारे में किसी नई पॉलिसी या कार्रवाई की घोषणा नहीं की। पनामा नहर को अमेरिका ने 20वीं सदी की शुरूआत में प्रेसिडेंट थियोडोर रूजवेल्ट के समय बनवाया था। 1977 में हस्ताक्षर किए गए संधि के तहत, अमेरिका ने धीरे-धीरे नहर का कंट्रोल पनामा को ट्रांसफर कर दिया और 31 दिसंबर, 1999 को यह हैंडओवर पूरा हुआ।

ईरान-अमेरिका के बीच दोहा में हो रही अगले चरण की वार्ता, उपराष्ट्रपति वेंस बोले-'अच्छी चल रही है बातचीत'

वाशिंगटन : अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा कि दोहा में ईरान के साथ बातचीत अच्छी चल रही है। इसके साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि अगर तेहरान ने अपना परमाणु कार्यक्रम फिर से शुरू किया या कमर्शियल शिपिंग पर हमला किया तो राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप फिर से सैन्य बल का इस्तेमाल करने में नहीं हिचकिचाएंगे। वर्जीनिया में नेवल एयर स्टेशन ओशियाना का दौरा करने के बाद बुधवार (लोकल टाइम) को एयर फोर्स टू से रवाना होने से पहले वेंस ने मीडिया से कहा कि ईरानी टारगेट्स के खिलाफ हाल ही में अमेरिकी सैन्य एक्शन के बाद अमेरिका, ईरान, कतर और दूसरे देशों के नेगोशिएटर्स अगले चरण को लेकर चर्चा कर रहे थे। उपराष्ट्रपति वेंस ने कहा, अभी बातचीत करने वाले ईरानियों, कतरियों और दोहा में दूसरों के साथ बैठे हैं। अभी तो बहुत जल्दी है, लेकिन बातचीत अच्छी चल रही है। उन्होंने कहा कि अभी का फोकस यह सुनिश्चित करना है कि कमर्शियल शिपिंग इस इलाके से सुरक्षित रूप से चलती रहे। उन्होंने कहा, कमर्शियल ट्रैफिक सच में, यह पहले ही एक शानदार दिशा में शुरू हो चुका है। अब हमारे पास तेल 68 डॉलर पर है। गैस की कीमतें कम होने लगी हैं। हम परमाणु मुद्दे को लेकर चिंतित हैं। हम इस बारे में बात करना शुरू करने जा रहे हैं। वेंस ने कहा कि ट्रंप सरकार बातचीत जारी रखेगा लेकिन, अगर ईरान अपना रास्ता बदलता है तो सैन्य विकल्प मौजूद रहेंगे। उन्होंने कहा, मैं यह कह सकता हूं कि राष्ट्रपति हमारी मिलिट्री को तब तक वापस नहीं भेजेंगे, जब तक उन्हें ऐसा करना जरूरी न हो, जब तक इसका कोई साफ मकसद न हो। अगर वे अपना परमाणु कार्यक्रम फिर से बनाने की कोशिश करते हैं, अगर वे फिर से कमर्शियल जहाजों पर फायरिंग शुरू करने की कोशिश करते हैं, तो इससे हमारा हिसाब बदल जाएगा। ईरानी नेतृत्व में मतभेद के बारे में पूछे जाने पर अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने कहा कि ऐसा लगता है कि तेहरान के अंदर पश्चिम और पड़ोसी खाड़ी देशों के साथ संबंध सुधारने के लिए समर्थन बढ़ रहा है। उन्होंने कहा, ईरान की व्यवस्था में, दुनिया के कई अन्य देशों की तरह, ऐसे लोग भी हैं जो मानते हैं कि पिछले 47 वर्षों की सरकारी नीतियां एक गलती रही हैं और अब अमेरिका, यूरोप तथा खाड़ी के अरब देशों के साथ अपने संबंधों को नए सिरे से बेहतर बनाने की जरूरत है।

भारत-पाक बातचीत की अपील पर भाजपा बोली- सीमा पर आतंकवाद रुके, तभी आगे बढ़ेगी बात

नई दिल्ली । भारत और पाकिस्तान के 100 से अधिक प्रमुख नागरिकों द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को पत्र लिखकर दोनों देशों के बीच बातचीत फिर से शुरू करने और सामान्य संबंध बहाल करने की अपील पर भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने तीखी प्रतिक्रिया दी। भाजपा नेताओं का कहना है कि भारत कभी भी शांति वार्ता के खिलाफ नहीं रहा, लेकिन बातचीत तभी संभव है जब पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद को पूरी तरह बंद करे। भाजपा के राज्यसभा सदस्य दिनेश शर्मा ने कहा, भारत ने कब कहा कि वह शांति नहीं चाहता? पाकिस्तान एक तरफ शांति की बात करता है और दूसरी तरफ घुसपैठ, सीमा पार फायरिंग और आतंकवादी गतिविधियों को बढ़ावा देता है। भारत ने कभी बातचीत से इनकार नहीं किया। भारत ने सिर्फ इतना कहा है कि सार्थक बातचीत तभी हो सकती है, जब पाकिस्तान आतंकवाद को प्रायोजित करना बंद करे।

उन्होंने कहा, जिन लोगों ने यह अपील की है, उन्हें पाकिस्तान जाकर वहां भी यही संदेश देना चाहिए। भारत ने कभी यह नहीं कहा कि वह अपने किसी भी पड़ोसी देश के साथ अच्छे संबंध नहीं चाहता। हमारी सिर्फ एक शर्त है कि सीमा पार आतंकवाद और घुसपैठ बंद होनी चाहिए। तभी भारत हमेशा अच्छे संबंध बनाए रखने के लिए तैयार है।

वहीं, भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गुरु प्रकाश ने कहा, सरकार संवेदनशील है और विदेश मंत्रालय सभी मुद्दों पर लगातार नजर रखता है। लोगों को अपनी राय रखने का पूरा अधिकार है, लेकिन सरकार देश के सम्मान, गरिमा और संप्रभुता से कोई समझौता किए बिना आगे बढ़ती है।

उधर, बिहार भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने पत्र लिखने वाले लोगों पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा, ये 117 लोग कौन हैं, जिन्होंने यह पत्र लिखा है? इनके बारे में देखिए। इनमें फारूक अब्दुल्ला, राजद के नेता और ऐसे लोग शामिल हैं, जो कश्मीर के मुद्दे पर भारत-पाकिस्तान जैसी सोच रखते हैं या पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के पक्ष में बोलते हैं। एक तरह से ये लोग पाकिस्तान का झंडा बुलंद कर रहे हैं। संजय सरावगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री पहले ही साफ कर चुके हैं कि 'ऑपरेशन सिंदूर' खत्म नहीं हुआ है, बल्कि केवल फिलहाल स्थगित किया गया है।

उन्होंने कहा, जिस तरह पाकिस्तान लगातार आतंकवादी गतिविधियों को बढ़ावा दे रहा है, उसे देखते हुए भारत को पूरी सतर्कता के साथ आगे बढ़ना होगा। भाजपा नेता नारायण दत्त त्रिपाठी ने कहा, लोगों की अपनी-अपनी राय और जरिए होते हैं। भारत में पहले भी ऐसी कई पहल हो चुकी हैं। आपने देखा होगा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने भी पाकिस्तान के साथ पहल की थी और वे कई बार पाकिस्तान गए थे। उन्होंने बस सेवा भी शुरू की थी। पाकिस्तान से बातचीत करना कोई बुरी बात नहीं है। ऐसा किया जाना चाहिए। लेकिन कौन मानेगा कि वे अपनी बात पर कायम रहेंगे? कौन भरोसा कर सकता है? ऐसी बातचीत पहले भी कई बार हो चुकी है।

बिहार सरकार के मंत्री दिलीप जायसवाल ने कहा, भारत को शांति का दूत कहा जाता है। शांति का दूत और अमन चयन के कारण ही हम विश्व गुरु का सपना देखते हैं। पूरे दुनिया को इस बात को समझने की आवश्यकता है कि शांति से ही दुनिया चल सकती है, युद्ध से नहीं। अगर किसी तरह की शांति की बात होती है, तो भारत उसमें सबसे अग्रणी रहेगा। हमारा मकसद भी है पूरे दुनिया में अमन चयन और शांति का संदेश देना।

भारत और पाकिस्तान के 100 से अधिक प्रमुख नागरिकों ने दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों को पत्र लिखकर आपसी बातचीत बहाल करने और रिश्तों को सामान्य बनाने की अपील की। इसी अपील को लेकर अब देश की राजनीति में बयानबाजी तेज हो गई है।

समाचार सार

ओझा गुनी के चक्कर में आठ वर्षीय बच्चे की मौत

चतरा : लावालौंग थाना क्षेत्र के हाहे गांव में फिर से अंधविश्वास के कारण एक आठ वर्षीय बच्चे की जान चली गई। जानकारी के अनुसार गांव के ही दसाय गंझू का आठ वर्षीय पुत्र मनीष कुमार रात में सोया हुआ था।भोर में लगभग तीन बजे वह शौच जाने के लिए उठा था।जैसे ही उसने दरवाजा खोलकर पैर बाहर रखा किसी जहरीले सांप ने उसे काट लिया।आनन फानन में काफी देर तक गांव के ही ओझा गुनियों के द्वारा उसका झाड़ फूंक किया जाता रहा।इसके बाद कुछ लोगों की सलाह पर उसे मंगलवार की दिन में चतरा सदर अस्पताल ले जाया गया।यहां स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने उसे हजारीबाग रेफर कर दिया।इसके बाद हजारीबाग से भी उसे रांची के रिम्स के लिए रेफर कर दिया गया।इसी बीच किसी व्यक्ति की सलाह से उसे रिम्स ना ले जाकर वापस लावालौंग के पूणार्डीह गांव के ओझा गुनी के पास जान बचा लेने की दावा पर परिजनों ने ले आया।मंगलवार की शाम सात बजे से पूणार्डीह स्कूल में उसका झाड़ फूंक शुरू हुआ और भोर चार बजे स्थिति बिगड़ने के कारण उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार बच्चे ने काफी समय दिया था अगर हजारीबाग से ही उसे रिम्स ले जाया जाता तो उसकी जान बचाई जा सकती थी।इस विषय की जानकारी पर बीडीओ विपिन कुमार भारती ने क्षेत्र के लोगों से अपील किया की रात के समय में और खेतों में काम करते समय विशेष सावधानी बरते।और अगर फिर भी किसी को सांप काट ले तो किसी ओझा गुनी के चक्कर में ना पढ़कर तुरंत अस्पताल में भर्ती कराएं।

चैंबर प्रतिनिधिमंडल ने सीएम हेमंत सोरेन से की मुलाकात

रांची : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से काँके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रतिनिधिमंडल ने शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान राज्य में उद्योग, व्यापार और निवेश के मौजूदा परिदृश्य को लेकर मुख्यमंत्री के साथ सकारात्मक और रचनात्मक चर्चा हुई।

प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को राज्य के औद्योगिक एवं व्यावसायिक क्षेत्र से जुड़े विभिन्न मुद्दों से अवगत कराया। साथ ही बताया कि फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की ओर से जल्द ही एक राज्यस्तरीय सम्मेलन आयोजित किया जाएगा, जिसमें राज्य के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े उद्योगपति, व्यापारी और उद्यमी शामिल होंगे।

प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से इस सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री के साथ हुई बैठक में झारखंड में उद्योगों के विकास, व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा देने और निवेश की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया गया।

प्रतिनिधिमंडल में फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष आदित्य मलहोत्रा, उपाध्यक्ष प्रवीण लोहिया, राम बांगड़, महासचिव रोहित अग्रवाल, सह सचिव नवजोत अलंग, रोहित पोद्दार, कोषाध्यक्ष अनिल अग्रवाल, क्षेत्र उपाध्यक्ष अमरजीत सिंह सलूजा, उदयशंकर, रमेश कुमार चिनी, विनय अग्रवाल सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य मौजूद थे। इसके अलावा पलामू चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष आनंद शंकर, कार्यकारिणी सदस्य फिराजुद्दीन और गुमला चैंबर के सदस्य अमर प्रदीप भी प्रतिनिधिमंडल में शामिल रहे।

जमशेदपुर घटना पर राजनीति बंद करे भाजपा : राकेश सिन्हा

रांची : झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू के बयान को राजनीतिक अवसरवाद का परिचायक बताते हुए कहा कि जमशेदपुर की दुखद घटना पूरे राज्य के लिए पीड़ादायक है। कांग्रेस पार्टी इस घटना की कड़ी निंदा करती है और स्पष्ट रूप से मानती है कि दोषी चाहे कोई भी हो, उसे कानून के अनुसार कठोरतम सजा मिलनी चाहिए। लेकिन भाजपा इस संवेदनशील घटना को राजनीतिक मंच बनाकर अपनी खोती हुई जमीन तलाशने में जुट गई है। सिन्हा ने कहा कि भाजपा को जनता को गुमराह करने से पहले अपने शासनकाल का इतिहास देख लेना चाहिए। देश आज भी मॉब लिंचिंग, महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराध, सांप्रदायिक हिंसा, पेपर लीक, किसानों पर अत्याचार और मणिपुर जैसी घटनाओं को नहीं भूला है। अपराधियों के घरों पर बुलडोजर चलाने की राजनीति करने वाली भाजपा यह बताए कि महिलाओं के खिलाफ अपराध करने वाले और सांप्रदायिक हिंसा भड़काने वाले कितने लोगों के खिलाफ उसने अपने दल के भीतर कार्रवाई की।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने घटना का गंभीर संज्ञान लिया है। पुलिस अधिकारियों पर कार्रवाई हुई है और जांच आगे बढ़ रही है। कांग्रेस का स्पष्ट मत है कि किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाना चाहिए। लेकिन भाजपा का उद्देश्य न्याय नहीं, बल्कि जनभावनाओं को भड़काकर राजनीतिक लाभ उठाना है। राकेश सिन्हा ने कहा कि आदित्य साहू द्वारा पुलिस प्रशासन और सरकार पर लगाए गए आरोप तथ्यहीन और गैर-जिम्मेदाराना हैं। बिना किसी प्रमाण के पोस्टिंग में सौदेबाजी जैसे आरोप लगाना केवल राजनीतिक हताशा का परिणाम है। यदि भाजपा के पास कोई सबूत है तो उसे जांच एजेंसियों के समक्ष प्रस्तुत करे, अन्यथा जनता को भ्रमित करना बंद करे।

जमशेदपुर हत्याकांड में दोषी पुलिस अधिकारियों पर दर्ज हो हत्या का मुकदमा : आदित्य साहू

रांची : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने राज्य की कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा कि जमशेदपुर की घटना केवल एक हत्या नहीं, बल्कि कानून के शासन पर सीधा हमला है। झारखंड में ह्यरूल ऑफ लॉह्ल का गंभीर संकट है। श्री साहू पार्टी के प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में बोल रहे थे।

प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने कहा कि जमशेदपुर की घटना के विरोध और प्रदेश में ध्वस्त से ध्वस्ततम हो चुकी कानून व्यवस्था को दुरुस्त करने की मांग को लेकर जमशेदपुर शहर में 02 जुलाई की शाम को भाजपा और आम जनता के नेतृत्व में मशाल जुलूस निकाला जाएगा। वहीं 03 जुलाई को राज्य की बिगड़ी कानून व्यवस्था के खिलाफ जमशेदपुर पूर्णतः बंद रहेगा। उन्होंने राज्य सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि राज्य सरकार एवं पुलिस प्रशासन ने प्रदेश की विधि व्यवस्था को लेकर तत्काल ठोस कारगर कदम नहीं उठाया तो झारखंड बंद भी कराने का काम पार्टी करेगी।

श्री साहू ने कहा कि जमशेदपुर की घटना रौंगटे खड़ी करने वाली है। यह घटना राज्य में अपराधियों द्वारा समानांतर सरकार चलाने और खुलेआम नंगा नाच करने का भी बड़ा उदाहरण है। इस घटना से पूरा राज्य हतप्रभ है। जमशेदपुर की जो घटना है, अपराधी एक युवा पर जानलेवा हमला करते हैं, वे उसे दौड़ा दौड़ा कर बेरहमी से पीटते हैं, वह युवा भागकर जान बचाने के लिए पुलिस की वाहन में घुसता है। और अपराधी पुलिस के सामने पुलिस वाहन से खींचकर उसकी हत्या कर देते हैं। दुखद बात यह है कि पूरे घटनाक्रम में पुलिस मूकदर्शक बनी रहती है। राज्य सरकार और यहां के पुलिस प्रशासन के लिए इससे शर्मनाक बात और क्या हो सकती है? पुलिस की मौजूदगी में पुलिस वैन से युवक को खींचकर हत्या कर देना बताता है कि अपराधियों के मन में कानून का कोई भय नहीं बचा है। श्री साहू ने इस मामले में दोषी पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों पर हत्या का मुकदमा दर्ज कर उनपर कठोर कार्रवाई करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि सभी पर 302 का मुकदमा दर्ज कर उन्हें जेल भेजने की जरूरत है। साथ ही सभी आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग के साथ सभी दोषियों पर फास्ट ट्रैक कोर्ट में सुनवाई सुनिश्चित करने की मांग की गई है। प्रदेश अध्यक्ष ने साथ ही सरकार से राज्य में बिगड़ती कानून - व्यवस्था पर श्वेत पत्र जारी करने और अपराध नियंत्रण की स्पष्ट कार्ययोजना प्रस्तुत करने की भी मांग की है। श्री साहू ने कहा कि गिरिडीह के सब रजिस्ट्रार बालेश्वर पटेल की रामगढ़ में पीट पीट कर हत्या कर दी गई। पूरे राज्य में अपराध और अपराधियों का बोलबाला है। बच्चों का अपहरण हो रहा है। महिलाएं बच्चियां असुरक्षित हैं।

हाई स्पीड वाहनों पर लगा ब्रेक, हंटरगंज थाना प्रभारी की पहल से लोगों ने ली राहत की सांस

एनएच-22 के संवेदनशील स्थानों पर लगाए गए स्पीड ब्रेकर

चतरा : जिले के हंटरगंज प्रखंड क्षेत्र में लगातार बढ़ रही सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने की दिशा में एसपी अनिमेष नैथानी के निर्देश पर हंटरगंज थाना प्रभारी प्रभात कुमार ने थाना क्षेत्र से गुजरने वाले एनएच-22 पर तेज रफ्तार वाहनों के कारण आए दिन हो रही दुर्घटनाओं और लोगों की लगातार शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए स्थल निरीक्षण किया और संबंधित विभाग एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों के सहयोग से कई संवेदनशील स्थानों पर स्पीड ब्रेकर का निर्माण कराया ।हंटरगंज पानी टंकी, बारहगंवामोड़, बाजार, डुमरी पंजाब नेशनल बैंक सहित अन्य भीड़भाड़ वाले इलाकों में लगाए गए स्पीड ब्रेकरों से अब तेज रफ्तार वाहनों पर प्रभावी नियंत्रण होने लगा है। पहले जहां वाहन 80 से 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गुजरते थे, वहीं अब चालकों को गति धीमी करनी पड़ रही है, जिससे राहगीरों, स्कूली बच्चों और बुजुर्गों की सुरक्षा बढ़ी है।थाना प्रभारी प्रभात कुमार ने कहा कि पुलिस का उद्देश्य केवल कानून लागू करना नहीं, बल्कि लोगों के जीवन की रक्षा करना भी है। उन्होंने वाहन चालकों से अपील की कि वे यातायात नियमों का पालन करें और स्पीड ब्रेकर के पास धीमी गति से वाहन चलाएं। साथ ही चेतावनी दी कि तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।थाना प्रभारी की इस जनहितकारी पहल की क्षेत्र में व्यापक सराहना हो रही है। स्थानीय ग्रामीणों, दुकानदारों, अभिभावकों और सामाजिक कार्यकताओं ने कहा कि यह कदम समय की जरूरत था। उनका मानना है कि इससे दुर्घटनाओं में निश्चित रूप से कमी आएगी और बच्चों सहित आम लोगों की जान सुरक्षित रहेगी।ग्रामीणों ने कहा कि पुलिस यदि इसी तरह जनता की समस्याओं को प्राथमिकता देकर काम करती रही, तो पुलिस और जनता के बीच विश्वास और मजबूत होगा। थाना प्रभारी प्रभात कुमार की यह पहल कानून-व्यवस्था के साथ-साथ जनसेवा का भी एक सराहनीय उदाहरण बन गई है।

उप विकास आयुक्त अमरेंद्र कुमार सिन्हा हुए सेवानिवृत्त

दी गई भावभीनी विदाई, अधिकारियों एवं कर्मियों ने दी शुभकामनाएं

संवाददाता

चतरा : जिले के उपविकास आयुक्त अमरेंद्र कुमार सिन्हा सेवानिवृत्त हो गए।इस अवसर पर समाहरणालय सभागार, चतरा में उप विकास आयुक्त के सम्मान में भावभीनी विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त रवि आनंद, अपर समाहर्ता अरविंद कुमार सहित जिला प्रशासन के पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।इस अवसर पर उपायुक्त रवि आनंद ने श्री सिन्हा के प्रशासनिक अनुभव, कर्तव्यनिष्ठा एवं समर्पित कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने अपने सेवाकाल में पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी के साथ दायित्वों का निर्वहन किया। उनके प्रशासनिक अनुभव एवं कार्यों को सदैव याद रखा जाएगा। उपायुक्त ने उनके स्वस्थ, सुखद एवं मंगलमय सेवानिवृत्त जीवन की शुभकामनाएं दीं।समारोह के दौरान उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मियों ने भी श्री सिन्हा के साथ बिताए गए कार्यकाल की स्मृतियों को साझा करते हुए उनके सरल, सौम्य एवं सहयोगात्मक व्यक्तित्व की सराहना की। सभी ने उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए आभार व्यक्त करते हुए स्वस्थ, सुखमय एवं दीर्घायु जीवन की कामना की।अपने संबोधन में अमरेंद्र कुमार सिन्हा ने जिला प्रशासन के सभी पदाधिकारियों एवं कर्मियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि चतरा में कार्य करने के दौरान सभी का सहयोग एवं स्नेह सदैव उन्हें प्राप्त हुआ। उन्होंने अपने सेवाकाल के अनुभव साझा करते हुए सभी से सदैव जनहित एवं ईमानदारी के साथ कार्य करने का आग्रह किया।समारोह के अंत में जिला प्रशासन की ओर से श्री अमरेंद्र कुमार सिन्हा को स्मृति-चिह्न एवं अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया तथा उनके उज्ज्वल, स्वस्थ एवं सुखद भविष्य की मंगलकामनाओं के साथ भावभीनी विदाई दी गई।इस अवसर पर उपायुक्त रवि आनंद, अपर समाहर्ता अरविंद कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी चतरा जहूर आलम, जिला परिवहन पदाधिकारी माहेश्वरी प्रसाद, जिला योजना पदाधिकारी, प्रखंड व अंचल क्षेत्रों के प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचल अधिकारी सहित जिला प्रशासन के सभी वरीय पदाधिकारी, विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं समाहरणालय के कर्मी उपस्थित थे।

आरबी हॉस्पिटल एंड डायग्नोस्टिक सेंटर में मनाया गया नेशनल डॉक्टर डे

संवाददाता

चतरा : शहर के पुरानी कचहरी रोड स्थित आरबी हॉस्पिटल एंड डायग्नोस्टिक सेंटर में बुधवार को नेशनल डॉक्टर डे उत्साह के साथ धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर अस्पताल के चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों ने मरीजों की सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए डॉक्टरों के योगदान को सम्मानपूर्वक याद किया। कार्यक्रम का शुभारंभ अस्पताल के चिकित्सकों द्वारा केक काटकर किया गया। इसके बाद अस्पताल के चिकित्सा कर्मियों ने सभी डॉक्टरों को पुष्पगुच्छ भेंट कर एवं शुभकामनाएं देकर डॉक्टर दिवस की बधाई दी। इस अवसर पर आरबी हॉस्पिटल एंड डायग्नोस्टिक सेंटर के डायरेक्टर जीएस राजू एवं विनय कुमार केसरी ने कहा कि डॉक्टरों को धरती पर भगवान का दर्जा दिया जाता है, क्योंकि वे अपने ज्ञान, अनुभव और सेवा भावना के बल पर असंख्य लोगों का जीवन बचाने का कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि डॉक्टर का पेशा केवल एक व्यवसाय नहीं, बल्कि मानव सेवा का सबसे बड़ा माध्यम है। मरीजों के चेहरे पर मुस्कान लौटाना और उन्हें नया जीवन देना किसी भी चिकित्सक के लिए सबसे बड़ी उपलब्धि होती है।

उन्होंने कहा कि आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं के साथ-साथ मरीजों के प्रति संवेदनशील व्यवहार भी एक अच्छे चिकित्सक की पहचान है। आरबी हॉस्पिटल हमेशा बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने और मरीजों को गुणवत्तापूर्ण उपचार देने के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम में उपस्थित चिकित्सकों ने भी डॉक्टर दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह दिन चिकित्सा जगत से जुड़े सभी लोगों को अपने दायित्वों का स्मरण कराता है तथा समाज के प्रति सेवा भावना को और अधिक मजबूत करने की प्रेरणा देता है। मौके पर अस्पताल के डायरेक्टर जीएस राजू, विनय कुमार केसरी, डॉ. अवशेष त्रिपाठी, डॉ. नितिन कुमार सहित अस्पताल के अन्य चिकित्सक, स्वास्थ्यकर्मी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने डॉक्टर दिवस के अवसर पर एक-दूसरे को शुभकामनाएं दीं और मरीजों की बेहतर सेवा का संकल्प लिया।

धरना के दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष रामदेव सिंह भोक्ता की बिगड़ी तबीयत

सांसद- विधायक ने आईसीयू वार्ड पहुंच कर जाना हाल

संवाददाता

चतरा : भाजपा जिला प्रवक्ता कालीचरण यादव की गिरफ्तारी और जेल भेजे जाने के विरोध में आयोजित धरना-प्रदर्शन के दौरान भाजपा के जिलाध्यक्ष रामदेव सिंह भोक्ता की अचानक तबीयत बिगड़ गई। कार्यक्रम के बीच वे अचानक चक्कर खाकर गिर पड़े, जिससे मौके पर मौजूद कार्यकताओं में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी मच गई। कार्यकताओं ने तत्परता दिखाते हुए उन्हें तुरंत सदर अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक जांच के बाद उन्हें आईसीयू वार्ड में भर्ती कर लिया। चिकित्सकों के अनुसार रामदेव सिंह भोक्ता को डिहाइड्रेशन (शरीर में पानी की कमी) की शिकायत हुई थी। समय पर उपचार मिलने से उनकी स्थिति में अब सुधार है और वे चिकित्सकीय निगरानी में हैं। जिलाध्यक्ष के अस्पताल में भर्ती होने की सूचना मिलते ही सांसद कालीचरण सिंह और सिमरिया विधायक उज्जवल दास सदर अस्पताल पहुंचे। दोनों नेताओं ने आईसीयू वार्ड में जाकर रामदेव सिंह भोक्ता का हालचाल जाना तथा चिकित्सकों से उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। उन्होंने चिकित्सकों द्वारा किए जा रहे उपचार पर संतोष व्यक्त किया और शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। अस्पताल भ्रमण के दौरान सांसद कालीचरण सिंह और विधायक उज्जवल दास ने सदर अस्पताल के आईसीयू वार्ड की व्यवस्थाओं की सराहना की। उन्होंने कहा कि अस्पताल में उपलब्ध आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं और चिकित्सकों की सक्रियता के कारण गंभीर मरीजों का बेहतर इलाज संभव हो रहा है। उन्होंने कहा कि जिले में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध होना आम लोगों के लिए राहत की बात है। उधर, अस्पताल प्रबंधन ने बताया कि रामदेव सिंह भोक्ता की स्थिति फिलहाल स्थिर है। चिकित्सकों की टीम लगातार उनकी निगरानी कर रही है और आवश्यक उपचार दिया जा रहा है। भाजपा कार्यकर्ता भी अस्पताल पहुंचकर जिलाध्यक्ष के स्वास्थ्य की जानकारी लेते रहे और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

जीएसटी के 9 वर्ष पूरे होने पर पूर्व सांसद महेश पोद्दार ने दी बधाई

संवाददाता

रांची : वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के सफलतापूर्वक 9 वर्ष पूरे होने पर भाजपा नेता एवं राज्यसभा के पूर्व सांसद महेश पोद्दार ने देशवासियों को बधाई देते हुए इसे भारतीय अर्थव्यवस्था का सबसे बड़ा कर सुधार बताया। उन्होंने कहा कि जीएसटी ने देश को आर्थिक रूप से एक सूत्र में पिरोने का कार्य किया है और ह्यएक देश, एक करह्ल की अवधारणा को सफलतापूर्वक साकार किया है।

महेश पोद्दार ने कहा कि उन्हें भाजपा की ओर से राज्यसभा में अपना पहला (मेडन) भाषण जीएसटी विधेयक पर देने का अवसर मिला था। अपने संसदीय कार्यकाल के दौरान उन्होंने जीएसटी के विभिन्न पहलुओं और इसके दूरगामी लाभों पर सदन में कई महत्वपूर्ण वक्तव्य दिए। उन्होंने कहा कि भारत के मजबूत जीएसटी ढांचे के निर्माण में अपना छोटा-सा योगदान देना उनके लिए गर्व की बात है।

उन्होंने कहा कि पिछले नौ वर्षों में जीएसटी ने टैक्स प्रणाली को सरल, पारदर्शी और अधिक प्रभावी बनाया है। इससे टैक्स पर टैक्स लगने (कैस्केडिंग इफेक्ट) की व्यवस्था समाप्त हुई और पूरे देश में एक समान कर प्रणाली लागू होने से राज्यों के बीच व्यापारिक बाधाएं कम हुई हैं। इसके परिणामस्वरूप भारत एक साझा राष्ट्रीय बाजार (कॉमन मार्केट) के रूप में उभरा है।

पूर्व सांसद ने कहा कि जीएसटी लागू होने से उत्पादन लागत में कमी आई है, व्यापार करने में आसानी बढ़ी है तथा निवेश और निर्यात को भी प्रोत्साहन मिला है, जिससे देश की अर्थव्यवस्था और विकास दर को गति मिली है।

महेश पोद्दार ने जीएसटी की नौ वर्ष की यात्रा को ऐतिहासिक बताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व की सराहना की और इसे आधुनिक भारत के सबसे महत्वपूर्ण आर्थिक सुधारों में से एक बताया।

युवाओं और महिलाओं से संवाद करेगी भाजपा : गणेश मिश्रा

संवाददाता

रांची : डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के 125वें स्मरण पर्व के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा राज्यभर में जनजागरण अभियान चलाया जा रहा है। भाजपा प्रदेश महामंत्री गणेश मिश्रा ने बताया कि भारतीय जनता युवा मोर्चा और महिला मोर्चा के संयुक्त तत्वावधान में यह अभियान 23 जून से 6 जुलाई 2026 तक आयोजित किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि अभियान के तहत विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में जनजागरण कार्यक्रम, संगोष्ठी और संवाद कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य युवाओं और महिलाओं को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के राष्ट्रवादी विचारों, राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान तथा केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और विकसित भारत के संकल्प से जोड़ना है। गणेश मिश्रा ने कहा कि कार्यक्रमों के दौरान पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और संगठन के नेता युवाओं से संवाद करेंगे तथा उन्हें राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित करेंगे। उन्होंने बताया कि राज्य के विभिन्न जिलों में आयोजित होने वाले प्रमुख कार्यक्रमों में 1 जुलाई को लोहरदगा (कुडू): मुख्य वक्ता प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू, पूर्व सांसद सुदर्शन भगत एवं अजातशत्रु। 2 जुलाई दुमका (एसपी कॉलेज): मुख्य वक्ता सुनील सोरेन, राज पालीवार, सीताराम पाठक और मनीष दुबे। 4 जुलाई धनबाद महानगर (इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट भवन): मुख्य वक्ता बिरंची नारायण एवं संजीव कुमार। 5 जुलाई रांची महानगर (स्टेट लाइब्रेरी, मोरहाबादी): मुख्य वक्ता प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह। 5 जुलाई पलामू (हरिहरगंज): मुख्य वक्ता श्याम नारायण दूबे, प्रेम सिंह और विश्वजीत पाठक।

6 जुलाई जमशेदपुर महानगर (जुस्को सभागार): मुख्य वक्ता शशांक राज। 6 जुलाई गिरिडीह महानगर (केएन बक्सी कॉलेज): मुख्य वक्ता गणेश मिश्रा एवं शिवशक्ति बक्सी शामिल हैं।

अनमैप्ड मतदाताओं की सूची सार्वजनिक करे चुनाव आयोग: कांग्रेस

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष सह मीडिया चेयरमैन सतीश पौल मुंजनी ने चुनाव आयोग से राज्य में सामने आए करीब 47 लाख ह्यअनमैप्डह्ल मतदाताओं की सूची सार्वजनिक करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि मतदाताओं के नाम और स्थिति की पूरी जानकारी चुनाव आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध कराई जाए और संबंधित मतदान केंद्रों (बूथ) पर भी सूची प्रदर्शित की जाए, ताकि प्रत्येक मतदाता अपने नाम का सत्यापन कर सके। सतीश पौल मुंजनी ने कहा कि जिन मतदाताओं को एएसडीडी श्रेणी में चिह्नित किया गया है, उनकी सूची भी तत्काल सार्वजनिक की जानी चाहिए।

किसी भी परिस्थिति में एक भी एन्यूमरेशन फॉर्म मिसप्लेस नहीं होना चाहिए : उपायुक्त

एसआईआर में उत्कृष्ट कार्य करने वाले को किया जाएगा सम्मानित

संवाददाता

रांची : जिले में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 के सफल क्रियान्वयन को लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विधानसभावार एन्यूमरेशन फॉर्म (एल्ल४ी१ं३ङ्क्ल्ल ऋङ्ग१) के वितरण, संग्रहण और डिजिटाइजेशन की प्रगति की समीक्षा की गई।

बैठक के दौरान उपायुक्त ने सभी निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों (ईआरओ) और सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों (एईआरओ) को निर्देश दिया कि वे कार्यों का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निष्पादन सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि सभी ईआरओ अपने-अपने बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) के साथ प्रतिदिन ऑनलाइन बैठक कर एन्यूमरेशन फॉर्म के वितरण, संग्रहण एवं डिजिटाइजेशन की प्रगति की समीक्षा करें।

उपायुक्त ने निर्देश दिया कि भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप एन्यूमरेशन फॉर्म का शत-प्रतिशत वितरण, संग्रहण और डिजिटाइजेशन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने सभी ईआरओ और एईआरओ को फॉर्म वितरण एवं डिजिटाइजेशन प्रक्रिया की रैंडम मॉनिटरिंग करने को कहा, ताकि कार्य में पारदर्शिता और गुणवत्ता बनी रहे।

बैठक में पंचायत भवनों में डिजिटाइजेशन के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया। इसमें विशेष रूप से वाई-फाई और चार्जिंग व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया। इसके अलावा प्रखंड कार्यालय सभागारों में भी डिजिटाइजेशन कैंप आयोजित करने के निर्देश दिए गए।

उपायुक्त ने जिला शिक्षा पदाधिकारी और जिला शिक्षा अधीक्षक को बीएलओ के सहयोग के लिए चिन्हित शिक्षकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने को कहा, ताकि अभियान को और प्रभावी बनाया जा सके।

उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि किसी भी परिस्थिति में कोई भी एन्यूमरेशन फॉर्म गुम या मिसप्लेस नहीं होना चाहिए। साथ ही सभी एईआरओ को अपनी निगरानी में स्थानीय जनप्रतिनिधियों के माध्यम से एन्यूमरेशन फॉर्म के वितरण और संग्रहण कार्य को बेहतर तरीके से संचालित कराने का निर्देश दिया गया।

बैठक में उपायुक्त ने कहा कि रक्क्र अभियान को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी अधिकारी और कर्मी पूरी गंभीरता एवं समर्पण के साथ कार्य करें। उन्होंने अनुपस्थित रहने पर रांची नगर निगम के एएमसी चंद्र दीप कुमार को कारण बताओ नोटिस जारी करने का निर्देश दिया।

इसके अलावा दिव्यांगजन और विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह के बीच एन्यूमरेशन फॉर्म के वितरण एवं संग्रहण की प्रतिदिन रिपोर्ट उपलब्ध कराने का निर्देश भी दिया गया। उपायुक्त ने बताया कि एसआईआर अभियान के तहत उत्कृष्ट कार्य करने वाले बेहतरीन वॉलंटियर्स को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा।

बैठक में उप विकास आयुक्त संजय भगत, जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक, जिला सूचना पदाधिकारी सहित रांची जिले के सभी सात विधानसभा क्षेत्रों के ईआरओ, एईआरओ, अतिरिक्त सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

नगर निगम का अवैध जल कनेक्शन पर शिकंजा, जांच में पकड़ा गया अवैध संयोजन

रांची : रांची नगर निगम ने अवैध जल संयोजन, अवैध वाटर बॉटलिंग प्लांट, अवैध बोरिंग तथा जलापूर्ति प्रणाली के दुरुपयोग के विरुद्ध विशेष जांच अभियान तेज कर दिया है। अभियान के तहत नियमित रूप से विभिन्न क्षेत्रों में जांच कर नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

इसी क्रम में वार्ड संख्या 41ए के साइट-04 स्थित शिव मंदिर के समीप अवैध जल संयोजन की शिकायत मिलने पर निगम की टीम ने जांच की। जांच के दौरान शिकायत सही पाई गई और संबंधित स्थान पर अवैध जल कनेक्शन मिला। इसके बाद निगम ने तत्काल अवैध जल संयोजन को काट दिया तथा संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई शुरू कर दी।

नगर निगम ने स्पष्ट किया है कि जलापूर्ति व्यवस्था में किसी भी प्रकार की अनियमितता या अवैध हस्तक्षेप को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसे मामलों में लगातार जांच अभियान चलाकर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

निगम ने आम नागरिकों से भी सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि यदि कहीं अवैध जल संयोजन, अवैध बोरिंग, अवैध वाटर बॉटलिंग प्लांट या जलापूर्ति प्रणाली के दुरुपयोग की जानकारी मिले तो इसकी सूचना निगम के टोल-फ्री नंबर 1800-570-1235 पर दें। प्राप्त शिकायतों पर त्वरित जांच कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

हटिया-सांकी पैसेंजर ट्रेनों का परिचालन फिर शुरू

रांची : यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए दक्षिण पूर्व रेलवे के रांची मंडल ने अस्थायी रूप से निरस्त की गई हटियाझसांकीझहटिया पैसेंजर ट्रेनों का परिचालन पुनः शुरू कर दिया है। रेलवे प्रशासन के अनुसार, अपरिहार्य कारणों से अस्थायी रूप से रद्द की गई ट्रेन संख्या 58663, 58664, 58665 एवं 58666 हटियाझसांकीझहटिया पैसेंजर ट्रेनों का संचालन 1 जुलाई 2026 से अपने निर्धारित समय और पूर्व निर्धारित मार्ग पर बहाल कर दिया गया है।

रेलवे के इस निर्णय से हटिया, सांकी और मार्ग के अन्य स्टेशनों के बीच यात्रा करने वाले दैनिक यात्रियों, विद्यार्थियों तथा स्थानीय लोगों को काफी राहत मिलेगी। यात्रियों से अपील की गई है कि यात्रा से पहले ट्रेन के समय की पुष्टि रेलवे के आधिकारिक माध्यमों से अवश्य कर लें।

हटिया-झारसुगुड़ा मेमू समेत तीन ट्रेनें कई दिनों तक रहेंगी रद्द

रांची : दक्षिण पूर्व रेलवे के चक्रधरपुर मंडल में विकास कार्य के लिए ब्लॉक लिए जाने के कारण कई यात्री ट्रेनों का परिचालन निर्धारित तिथियों पर रद्द रहेगा। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से यात्रा की योजना बनाने से पहले ट्रेन की स्थिति की जानकारी प्राप्त करने की अपील की है।

रेलवे द्वारा जारी सूचना के अनुसार, ट्रेन संख्या 18175/18176 हटिया-झारसुगुड़ा-हटिया मेमू एक्सप्रेस का परिचालन 5 जुलाई 2026 से 19 नवंबर 2026 तक विभिन्न निर्धारित तिथियों पर रद्द रहेगा।

इसके अलावा, ट्रेन संख्या 58659 हटिया-राउरकेला पैसेंजर 9 जुलाई से 21 नवंबर 2026 तक चयनित तिथियों पर रद्द रहेगी, जबकि ट्रेन संख्या 58660 राउरकेलाझहटिया पैसेंजर 10 जुलाई से 22 नवंबर 2026 तक विभिन्न निर्धारित तिथियों पर नहीं चलेगी।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार, यह निर्णय चक्रधरपुर मंडल में चल रहे विकास एवं आधारभूत संरचना संबंधी कार्यों को सुरक्षित और समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए लिया गया है। यात्रियों से अनुरोध किया गया है कि यात्रा से पहले अपनी ट्रेन की स्थिति रेलवे के आधिकारिक माध्यमों से अवश्य जांच लें, ताकि किसी प्रकार की असुविधा से बचा जा सके।

रांची में 11 सेवानिवृत्त शिक्षकों और 2 कर्मियों का सम्मान

पेंशन दरबार में सेवानिवृत्ति के दिन ही मिले पेंशनरी लाभ

संवाददाता

रांची : जिला प्रशासन की ओर से सोमवार को समाहरणालय स्थित ब्लॉक-ए के कॉन्फ्रेंस हॉल में पेंशन दरबार सह सेवानिवृत्ति विदाई सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने की। इस अवसर पर जिले के 11 सेवानिवृत्त शिक्षकों और 2 कर्मियों को उनके लंबे, समर्पित और अनुकरणीय सेवा काल के लिए सम्मानित किया गया।

उपायुक्त ने सभी सेवानिवृत्त शिक्षकों एवं कर्मियों को स्मृति चिह्न, शॉल, प्रशस्ति पत्र और पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। साथ ही सेवानिवृत्ति के दिन ही सभी पेंशनरी लाभ उपलब्ध कराकर जिला प्रशासन ने समयबद्ध पेंशन व्यवस्था के प्रति अपनी प्रतिबद्धता भी प्रदर्शित की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने कहा कि ॣशिक्षक समाज के निर्माणकर्ता और राष्ट्र के भविष्य के शिल्पकार होते हैं। उनकी निष्ठा, समर्पण और ज्ञान से ही नई पीढ़ी का निर्माण होता है। सेवानिवृत्ति के तुरंत बाद सभी पेंशनरी लाभ सुनिश्चित करना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है, ताकि वे बिना किसी चिंता के जीवन की नई पारी शुरू कर सकें।

उन्होंने आगे कहा कि सेवानिवृत्त शिक्षकों का अनुभव समाज की अमूल्य धरोहर है। उन्होंने शिक्षकों से नई पीढ़ी का मार्गदर्शन करने, सामाजिक कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने तथा स्वस्थ एवं सुखद जीवन व्यतीत करने का आग्रह किया।

समारोह में अपर जिला दंडाधिकारी (विधि-व्यवस्था) धनंजय, स्थापना उप समाहर्ता ज्योति वंदना कुजूर तथा जिला शिक्षा अधीक्षक बादल राज ने भी सेवानिवृत्त शिक्षकों के योगदान की सराहना करते हुए उन्हें सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल एवं स्वस्थ भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

जिला प्रशासन ने बताया कि यह पहल शिक्षकों और कर्मचारियों के सम्मान, कल्याण तथा समयबद्ध पेंशन एवं अन्य सेवानिवृत्ति लाभ सुनिश्चित करने की दिशा में किए जा रहे सतत प्रयासों का हिस्सा है।

अनिरुद्धाचार्य जी महाराज ने रांची से वृंदावन के लिए किया प्रस्थान

रांची : पहाड़ी मंदिर के समीप स्थित दिव्यदेशम् श्रीलक्ष्मी वेंकटेश्वर मंदिर में आयोजित वार्षिकोत्सव सह कल्याणोत्सव समारोह के सफल समापन के बाद बुधवार को जगद्गुरु रामानुजाचार्य श्रीस्वामी अनिरुद्धाचार्य जी महाराज अपने परिकरों के साथ श्रीधाम वृंदावन के लिए प्रस्थान कर गए।

प्रस्थान से पूर्व महाराज श्री ने महोत्सव की सफलता के लिए सभी कार्यकताओं और भक्तों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि 26 जून से 28 जून तक आयोजित महोत्सव श्रद्धा, भक्ति और सेवा भाव के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ, जिसके लिए सभी आयोजनकर्ता और सेवाभावी कार्यकर्ता प्रशंसा के पात्र हैं।

जगद्गुरु श्रीस्वामी अनिरुद्धाचार्य जी महाराज ने सेवा में समर्पित भक्तों की सराहना करते हुए समाचार पत्रों से जुड़े पत्रकारों के प्रति भी आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि जो लोग किसी न किसी रूप में भगवान की सेवा से जुड़े रहते हैं और पूरी श्रद्धा एवं समर्पण के साथ सेवा कार्य करते हैं, वे सौभाग्यशाली होते हैं। महाराज श्री ने कहा कि भगवान के प्रति समर्पण और सेवा भाव रखने वाले भक्तों का जीवन धन्य हो जाता है। उन्होंने कहा कि ऐसे भक्तों के माता-पिता भी पुण्यात्मा होते हैं, क्योंकि उनकी प्रेरणा से ही व्यक्ति भगवान की सेवा और भक्ति के मार्ग पर आगे बढ़ता है। भगवान सदैव अपने भक्तों के योग-क्षेम का वहन करते हैं। इस अवसर पर उन्होंने रांची नगरवासियों के लिए मंगलकामना करते हुए सभी को शुभाशीष प्रदान किया। जगद्गुरु श्रीस्वामी अनिरुद्धाचार्य जी महाराज की विदाई के अवसर पर मंदिर संचालन समिति के कार्यकारी अध्यक्ष राम अवतार नरसरिया, अनूप अग्रवाल, रामवृक्ष साहू सहित अन्य सदस्य एवं शिष्य मंडली उपस्थित रहे। सभी ने महाराज श्री का माल्यार्पण कर सम्मानपूर्वक विदाई दी और दंडवत प्रणाम कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

मांडर में सुतली बम से हमला करने के आरोप में 3 गिरफ्तार

संवाददाता

रांची : राजधानी रांची के मांडर में 30 जून को सुबह कुलदीप खलखो के घर पर किसी अज्ञात अपराधी द्वारा सुतली बम फेंका गया था जिससे घर का छत टूट गय। घर से बाहर एवं छत पर तीन जिंदा सुतली बम पड़ा हुआ मिला।

मामले की जानकारी मिलते ही वरीय पुलिस अधीक्षक रांची द्वारा पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के निर्देशन में पुलिस उपाधीक्षक खलारी, रांची के नेतृत्व में छापेमारी टीम का गठन किया गया। पुलिस ने घटनास्थल ग्राम-बोण्डो स्थित कुलदीप खलखो के घर पर पहुंची तो देखा कि घर के दक्षिण तरफ एक फटा हुआ देसी सुतली बम का अवशेष बिखरा हुआ है और घर के आस-पास तीन जिंदा सुतली बम पड़े हुए है।

पुलिस टीम द्वारा कागजी कार्रवाई पूरी कर तीनों बमो को बीडीएस टीम की मदद से निष्क्रिय किया गया और कुलदीप खलखो एवं उनके परिजनों से विस्तार से पूछताछ किया गया।

पुलिस ने कार्रवाई करते हुए घटना में शामिल समीर केरकेट्टा को महज 6 घंटे के अंदर गिरफ्तार कर लिया। इसके स्वीकारोक्ति बयान के आधार पर इटकी, बेड़ो आदि थाना क्षेत्र में छापेमारी कर कांड में शामिल सरीता कुजूर, तबरेज अंसारी को गिरफ्तार किया गया एवं दो विधि विरूद्ध किशोर को निरूद्ध किया गया। साथ ही कांड में प्रयुक्त 02 मोबाईल फोन एवं 01 मोटरसाईकिल को जब्त किया गया। अनुसंधान के क्रम में घटना के कारण के संबंध में पता चला कि कांड के वादी कुलदीप खलखो का संबंध आज से एक वर्ष पूर्व सरीता कुजूर से था परन्तु बीच में सरीता कुजूर अभियुक्त समीर केरकेट्टा के साथ प्रेम करने लगी और उसी के साथ रहने लगी। जिस कारण कुलदीप खलखो एवं समीर केरकेट्टा के बीच मतभेद हो गया था। इसी बात को लेकर कुलदीप खलखो की हत्या करने के नियत से उपरोक्त सभी अभियुक्तों द्वारा एक साजिश के तहत कुलदीप खलखो के सोने वाले कमरे के छत पर चार देसी सुतली बम फेंका गया परन्तु फेके गए बम से किसी की जान माल की छति नहीं हुई।

स्वच्छता ऑन कैनवास में बच्चों ने दिखाई रचनात्मकता

30 स्कूलों के 180 विद्यार्थियों ने दिया स्वच्छ भारत का संदेश

संवाददाता

रांची : स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति नई पीढ़ी को जागरूक करने के उद्देश्य से सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) और कलाकृति स्कूल ऑफ आर्ट्स के संयुक्त तत्वावधान में स्वच्छता पखवाड़ा-2026 के तहत ॣस्वच्छता ऑन कैनवासॣ चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

डोरंडा स्थित कलाकृति स्कूल ऑफ आर्ट्स में आयोजित इस प्रतियोगिता में रांची के 30 प्रतिष्ठित विद्यालयों के 180 से अधिक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यार्थियों ने अपनी रंग-बिरंगी चित्रकृतियों के माध्यम से स्वच्छ भारत और हरित भारत का प्रभावशाली संदेश प्रस्तुत किया।

प्रतियोगिता का आयोजन चार आयु वर्गों में किया गया। प्रतिभागियों ने ॣस्वच्छ भारत-हरित भारतॣ, ॣमेरा स्वप्न स्वच्छ भारतॣ, ॣस्वच्छता ही सेवाॣ, ॣस्वच्छ सड़कें-स्वस्थ जीवनॣ और ॣस्वच्छता ईश्वर के निकट हैॣ जैसे विषयों पर आकर्षक चित्र बनाए। बच्चों की कल्पनाशीलता और सामाजिक सरोकार से जुड़े चित्रों ने स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति उनकी जागरूक सोच को प्रदर्शित किया।

कार्यक्रम में सीसीएल के सीएसआर विभाग की प्रबंधक पूजा प्रसाद और प्रबंधक चंदन कुमार ने विद्यार्थियों की चित्रकृतियों का अवलोकन किया और उनकी प्रतिभा की सराहना की। उन्होंने कहा कि बच्चों में स्वच्छता के संस्कार विकसित करना समाज के बेहतर भविष्य की नींव है और कला इसके लिए प्रभावी माध्यम है। इस अवसर पर कलाकृति स्कूल ऑफ आर्ट्स के निदेशक एवं वरिष्ठ कलाकार धनंजय कुमार सहित संस्थान के शिक्षक एवं प्रशिक्षक मौजूद रहे। उन्होंने विद्यार्थियों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि कला समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का सशक्त माध्यम है और इस तरह की प्रतियोगिताएं बच्चों में सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करती हैं। प्रतियोगिता के विजेताओं में ग्रुप-एः प्रशांत रजवार, ग्रुप-बीः विवान शौर्य, ग्रुप-सीः आर्यन मालाकार व ग्रुप-डीः भूमिका दत्ता शामिल हैं। सभी विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। वहीं प्रतियोगिता में शामिल सभी प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाण-पत्र और रंग सामग्री प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

झारखण्ड सरकार
श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग,
प्राचार्य का कार्यालय- महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, गुमला, झारखण्ड। तिर्रा, सिलम, जशपुर रोड, गुमला–835207
Email:-principalwitigumla@gmail.com

सूचना :– 136 गुमला, दिनांक :– 29/06/2026

महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, गुमला में शैक्षणिक सत्र 2026–2027 के लिए नामांकन से संबंधित सूचना

निदेशालय, नियोजन एवं प्रशिक्षण, श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग, द्वारा SCVT से मान्यता प्राप्त **सरकारी महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, गुमला में शैक्षणिक सत्र 2026–2027** में नामांकन के लिए योग्य आवेदकों से जो झारखण्ड राज्यों के स्थायी/ स्थानीय निवासी की श्रेणी में आते हैं और नीचे दिये गये शैक्षणिक योग्यता धारित करते हैं, उनसे ऑनलाईन (https://iti.Jharkhand.gov.in- Admission Tab) आवेदन पत्र आमंत्रित किये गये हैं।
सरकारी महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, गुमला में निम्न व्यवसायों की प्रशिक्षण दी जा रही है।

2. न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता:–

क्र0 सं0	व्यवसाय	कोर्स अवधि	योग्यता
01	Fashion Design & Technology	एक वर्षीय कोर्स	दसवीं(10वीं) कक्षा उत्तीर्ण

3. महत्वपूर्ण तिथियाँ:–

क्र0 सं0	विवरणी	तिथि
01	ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन एवं आवेदन पत्र भरने की प्रारंभिक तिथि	02.06.2026
02	ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन एवं आवेदन पत्र भरने की अंतिम तिथि	15.07.2026
03	औपबंधिक मेधा सूचियों का प्रकाशन	20.07.2026 पूर्वाहन 12:00 बजे

4. न्यूनतम आयु–14 वर्ष (उपरोक्त तालिका में अंकित व्यवसाय में नामांकन के लिए आवेदन की न्यूनतम आयु अनिवार्य है)।
5. दिनांक– 01.08.2026 को आवेदक की आयु न्यूनतम 14 वर्ष अधिकतम 40 वर्ष के बीच होनी चाहिए।
6. किसी अन्य संबंधित सूचना **Web Portal (https://iti. Jharkhand.gov.in)** के **Download Section** में देखा जा सकता है, एवं आवश्यकतानुसार मो0 नं0–9939161093/8795843816/9798536791 से सम्पर्क किया जा सकता है।

प्रभारी प्राचार्य,
महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, गुमला।

PR.NO.383701 Labour Employment and Traning(26-27):D

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

अमानत में खयानत ! आगे की राह क्या हो ?

पुण्य नगरी अयोध्या में प्रभु श्रीराम के नवनिर्मित भव्य मंदिर में चढ़ावे और दान के हिसाब-किताब की व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं और व्यवस्था में कई खामियाँ नजर आ रही हैं। पवित्र सरयू नदी के तट स्थित यह अवधपुरी विगत दिनों से कई तरह के आरोप-प्रत्यारोप के बीच चर्चा में बनी हुई है। हम सबको याद है कि लंबी कानूनी लड़ाई के बाद मंदिर निर्माण का रास्ता साफ हुआ था। विगत वर्षों में अयोध्या धाम के जीर्णोद्धार के बाद वहाँ देश के विभिन्न भागों से अपार संख्या में श्रद्धालुओं और भक्तों का आना-जाना शुरू हुआ और वहाँ लोगों का जमावड़ा लगातार बना रहता है। विश्व के प्रसिद्ध धार्मिक स्थलों पर श्रद्धालुओं की इतनी संख्या में आना कीर्तिमान बना रहा है। इन सबके बीच अयोध्या का परिवेश निश्चित ही बदल रहा है और वहाँ की व्यवस्था में सुधार भी हो रहा है। आज पर्यटन और धार्मिक स्थलों पर आयोजनों के साथ अयोध्या के पूरे क्षेत्र की भौगोलिक और सामाजिक पारिस्थितिकी नया रूप ले रही है। ऐसे में पौराणिक नगरी अयोध्या राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मानचित्र पर नई पहचान बनाने को उद्यत है। यह क्षेत्र निश्चित ही अब देश में आर्थिक, आध्यात्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक महत्व के कार्यकलापों के अभिनव केंद्र के रूप में उभर रहा है। ऐसे में यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना है कि राममंदिर की देखरेख की प्रबंध व्यवस्था संतोषजनक नहीं है। उसे लेकर ताजा घटनाक्रम रामभक्तों के लिए चिंताजनक हो रहे हैं। साथ ही उसे लेकर सियासी पारा भी गर्म हो रहा है। राममंदिर की व्यवस्था को लेकर लगा आरोप न केवल बेहद संगीन है बल्कि सबके लिए शर्मनाक भी। आरोप में कहा गया है कि मंदिर में आने वाले भक्तों द्वारा जो चढ़ावा प्रभु के श्रीचरणों में श्रद्धा भाव से अर्पित होता रहा है, उसे संभालने वाले ट्रस्ट द्वारा नियुक्त कर्मी आवश्यक ईमानदारी से अपना काम नहीं कर रहे थे। वे चढ़ावे को न सुरक्षित रख पा रहे थे बल्कि उसमें अपनी मर्जी से लगातार हेराफेरी भी करते आ रहे थे। इन लोगों पर चढ़ावे में आने वाली एकत्रित धनराशि को व्यवस्थित करने यानी गिनने, रखने आदि के बीच मौजूद राशि में से कुछ राशि गायब कर देने का आरोप भी लगा है। चढ़ावे में मिली नगदी की गिनती और उसकी निगरानी व्यवस्था बहुत लचर थी और उसमें खामियां पाई गईं। दान आने के बाद जो धनराशि की गिनती करते थे उनके मंदिर प्रवेश और मंदिर से बाहर जाने पर कोई सघन निगरानी की व्यवस्था नहीं थी।इन लोगों के इस काम के लिए पात्रता और चयन प्रक्रिया को लेकर भी सवाल उठाए गए हैं। साथ ही भक्तों द्वारा भगवान की सेवा में अर्पित सोने-चाँदी के आभूषण आदि तथा अन्य बहुमूल्य भेंट को भी गायब करने के आरोप लग रहे हैं। बेईमानी और घूसखोरी के किस्से कई पुलिस और कोर्ट-कचहरी जैसे सरकारी जगहों और महकमों में चलते आ रहे हैं। आम आदमी उनसे सुपरिचित हैं। परंतु देवस्थान बड़े पवित्र होते हैं, उनकी मयार्दा होती है और बहुत से लोग लाचार होकर ईश्वर की शरण में आते हैं। वे अपना प्रणाम निवेदित कराते हैं और यथाशक्ति दान-दक्षिणा अर्पित करते हैं। उनकी आस्था और श्रद्धा के साथ इस तरह से खिलवाड़ अमानवीय अपराध है। राममंदिर के बही-खाते और लेनदेन की पारदर्शिता मंदिर ट्रस्ट की व्यवस्था और सरकार दोनों की साख को सुरक्षित रखने के लिए अत्यंत आवश्यक है। आश्चर्य की बात यह है कि अयोध्या के राममंदिर परिसर से जुड़ी इस तरह की खबर पहले भी यदाकदा आती थी परंतु उस पर किसी ने कभी कोई ध्यान नहीं दिया और सारी व्यवस्था ज्यों-कि-त्यों चलती रही। ट्रस्ट के प्रबंधन पर सबका भरोसा था पर वास्तविकता कुछ और थी। जो मानक पद्धति या एसओपी तय थी, उसका पालन नहीं हो रहा था, न ही उसकी उपयुक्तता सुनिश्चित की गई थी। जो लोग काम पर लगे थे वे प्रशिक्षित न होकर कुछ लोगों की संस्तुति पर लगे थे। वहाँ प्रचलित व्यवस्था में कोई सुधार नहीं किया गया और सबकुछ ज्यों-का-त्यों पूर्ववत चलता रहा। तूल पड़ने पर इस मामले में करोड़ों का घोटाला करने के आरोपों में प्रथम दृष्टया सच्चाई भांप कर तत्काल कानूनी कारवाई करने और अपराधियों को दंडित करने के लिए राज्य सरकार ने जाँच बिठाने का निर्णय लिया। इस सिलसिले में उच्चस्तरीय एसआईटी गठित की गई है और उसकी आरंभिक जांच रिपोर्ट अब मिल चुकी है। एसआईटी ने मंदिर से जुड़े कर्मियों से बातचीत की, जानकारी एकत्र की और अपनी प्राथमिक रिपोर्ट सरकार को दी है। रिपोर्ट लेकर सरकार ने प्राप्त तथ्यों का संज्ञान लेकर कानून के आलोक में चढ़ावे की व्यवस्था से सीधे-सीधे जुड़े आठ मन्दिर कर्मियों के खिलाफ मुकदमा दायर कर आगे की कानूनी कार्यवाही शुरू कर दी है। इन लोगों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। खबर है कि इन संदिग्ध कर्मियों के पास से अच्छी खासी रकम और जेवरात की भी बरामदगी हुई है। अब खबर आई है कि मंदिर ट्रस्ट से जुड़े दो शीर्षस्थ पदाधिकारियों ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। इस क्रम में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव श्री चंपत राय और एक न्यासी डा. अनिल मिश्र ने अपने को मंदिर ट्रस्ट से अलग कर लिया है। कहते हैं कि एसआईटी के शक के घेरे में बहुत से लोग हैं जिनमें उच्च अधिकारी भी शामिल हैं। आरोप यह भी लग रहा है कि मंदिर के लिए सस्ती जमीन महंगे भाव पर खरीदी गई और अवैध कमाई की गई। जाँच के दायरे में सबकुछ है और उसके परिणाम के बाद ही कुछ आधिकारिक रूप से कहा जा सकता है। मामले की पुलिसिया जांच जारी है और अभी तक मंदिर ट्रस्ट से उसके हिसाब-किताब को लेकर कोई ब्योरा या जानकारी आधिकारिक रूप से किसी द्वारा सार्वजनिक नहीं की गई है। यह खेद का विषय है कि मंदिर ट्रस्ट अभी भी इस मामले में यथोचित रूप से गंभीर नहीं दिख रहा है। सोशल मीडिया में ट्रस्ट की और से सिर्फ.यही कहा जा रहा है कि भविष्य में ऐसा फिर न होने का उपाय किया जाएगा।सांस्कृतिक और ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण अयोध्या भारतवासियों के मन में अत्यंत पावन केंद्र के रूप में बसी हुई है। लोक स्मृति में राम की जन्मभूमि एक मोक्षदायी तीर्थस्थल है और अयोध्या में श्रीराम मंदिर का होना सबके मन में संजोई आकांक्षा रही है जो बड़े संघर्षों और बलिदानों के बाद फलीभूत हुई। सदियों की लंबी प्रतीक्षा के बाद यह मंदिर आज के भव्य रूप में आकार पा सका। अनेक विघ्न-बाधाओं को पार कर बड़ी जबरदस्त इच्छाशक्ति के साथ इस मंदिर का पुनर्निर्माण हो सका। कहना न होगा कि बड़ी रुचि और समर्पण के साथ निर्माण कार्य हुआ और प्रभु श्रीराम की भव्य मूर्ति को इसमें स्थापित किया गया। यह संयोग ही है कि इस राममंदिर का निर्माण जितना धार्मिक आस्था का विषय रहा है उतना ही तीव्र राजनैतिक गतिविधि से भी जुड़ा रहा है। राजनैतिक दलों द्वारा चढ़ावे में गड़बड़ी होने के मुद्दे को लेकर कई तरह के आरोप लगाए जा रहे हैं। जो भी हो यह तो निश्चित है कि वर्तमान व्यवस्था में अनेक छिद्र हैं और उनको ठीक करने पर तत्काल ध्यान देना होगा। मयार्दा पुरुषोत्तम श्रीराम के अयोध्या-धाम की प्रतिष्ठा को बचाए और बनाये रखना सबका दायित्व बनता है। मंदिर ट्रस्ट को यह सोचना होगा कि मंदिर की व्यवस्था के लिए सुयोग्य कार्यपालन अधिकारी हों जो प्रोफेशनल और तकनीकी ढंग से चाक-चौबंद और निरापद व्यवस्था को अंजाम दे सकें।भारत में अनेक मंदिर और देव स्थान हैं जहाँ पहुंचने के लिए भक्त जनों का ताँता लगा रहता है। तिरुपति बालाजी, वैष्णो देवी, जगन्नाथ पुरी, बदरी केदार धाम, काशी विश्वनाथ मंदिर, महाकाल मंदिर उज्जैन, वैद्यनाथधाम, शिरडी साईं स्थान आदि अनेक स्थल भक्तजनों को निरंतर आकर्षित करते हैं। ऐसे स्थलों पर चढ़ावे की प्रचुर मात्रा की व्यवस्था, रखरखाव और सदुपयोग के लिए व्यापक विचार-विमर्श कर नीति बनाना जरूरी है।

ड्रग्स माफिया पर त्री-स्तरीय वार : पहचान, प्रहार और पूर्ण सफाय

रमादक पदार्थ नियंत्रण विजन डॉक्यूमेंट 2026-2029 यह संकेत देता है कि अब कार्रवाई का लक्ष्य पूरे नार्को इकोसिस्टम को जड़ से खत्म करना है।पिछले कुछ वर्षों में यह साफ हुआ है कि ड्रग्स कारोबार के तार आतंकवाद, हवाला, संगठित अपराध, सीमा पार तस्करी और डिजिटल अपराधों से जुड़ चुके हैं।

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का सपना तभी साकार हो सकता है, जब देश की युवा शक्ति सुरक्षित, स्वस्थ और उत्पादक बनी रहे। यही कारण है कि केंद्र सरकार ने अब नशे के खिलाफ लड़ाई को केवल कानून-व्यवस्था का विषय न मानकर राष्ट्रीय सुरक्षा, सामाजिक स्थिरता और भविष्य की पीढ़ियों की रक्षा का अभियान बना दिया है। इसी सोच के साथ जारी रमादक पदार्थ नियंत्रण विजन डॉक्यूमेंट 2026-2029₹ यह संकेत देता है कि अब कार्रवाई का लक्ष्य पूरे नार्को इकोसिस्टम को जड़ से खत्म करना है।पिछले कुछ वर्षों में यह साफ हुआ है कि ड्रग्स कारोबार के तार आतंकवाद, हवाला, संगठित अपराध, सीमा पार तस्करी और डिजिटल अपराधों से जुड़ चुके हैं। ऐसे में यदि कार्रवाई केवल छोटे तस्करों तक सीमित रहे तो समस्या का समाधान संभव नहीं है। सरकार ने इसी कमजोरी को पहचानते हुए अब ₹डिटेक्ट, डिसरप्ट और डिस्ट्रॉय₹ का नया मंत्र दिया है। मोदी सरकार की यह कार्यप्रणाली बताती है कि पहले पूरे नेटवर्क की पहचान होगी, फिर उसकी सप्लाई चेन और वित्तीय तंत्र को तोड़ा जाएगा और अंततः पूरे कार्टेल का स्थायी खात्मा किया जाएगा।इस नई नीति की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें अपराधियों के साथ-साथ उनके आर्थिक ढांचे को भी निशाना बनाया गया है। वस्तुतः अब केवल मादक पदार्थ जब्त कर लेना पर्याप्त नहीं माना जाएगा। हवाला नेटवर्क, क्रिप्टो करेंसी के जरिए होने वाले लेन-देन, डार्कनेट पर संचालित कारोबार, बैंक खातों और अवैध संपत्तियों तक कार्रवाई का दायरा बढ़ाया गया है। स्पष्ट है कि सरकार ड्रग्स माफिया की आर्थिक रीढ़ तोड़कर इस कारोबार को असंभव बनाना चाहती है।आज ड्रग्स तस्करी का स्वरूप भी तेजी से बदल रहा है। ड्रोन के माध्यम से सीमा पार खेप पहुंचाना, समुद्री मार्गों का इस्तेमाल, कंटेनर तस्करी, ऑनलाइन नेटवर्क और डार्क वेब के जरिए अवैध व्यापार जैसी चुनौतियां पारंपरिक पुलिस व्यवस्था से नहीं सुलझ सकतीं, इसलिए विजन डॉक्यूमेंट में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रियल टाइम डेटा शेयरिंग, तकनीकी खुफिया तंत्र, अपराध मानचित्रण और आधुनिक निगरानी प्रणाली को विशेष महत्व दिया गया है। यह बदलाव बताता है कि सरकार अब अपराधियों से एक कदम आगे रहने की रणनीति पर काम कर रही है। इस अभियान की एक और उल्लेखनीय विशेषता ध्यान में आई है, वह यह है कि इसमें केवल सख्ती नहीं, संवेदनशीलता भी दिखाई देती है। फिर गृह मंत्री अमित शाह ने स्पष्ट भी कर दिया है, ड्रग्स माफिया के खिलाफ कार्रवाई पूरी तरह कठोर होगी, किंतु नशे की लत के शिकार युवाओं को अपराधी न मानकर उन्हें पीड़ित मनकर उनके पुनर्वास पर बराबर ध्यान दिया जाएगा। यह संतुलित दृष्टिकोण आवश्यक भी है क्योंकि नशे के खिलाफ स्थायी सफलता गिरफ्तारी से अधिक समाज को नशामुक्त बनाने से मिलेगी।

कहना होगा कि सरकार की चार स्तंभों वाली कार्ययोजना इसी व्यापक सोच को दशार्ती है। प्रभावी प्रवर्तन, सिंथेटिक ड्रग्स और रसायनों पर नियंत्रण, नशे की मांग कम करना तथा पुनर्वास और संस्थागत क्षमता निर्माण, इन सभी पहलुओं को समान महत्व दिया गया है। इससे स्पष्ट है कि सरकार समस्या के सामाजिक और मनोवैज्ञानिक पक्ष पर भी काम करना चाहती है।

राज्यों की भूमिका को लेकर भी सरकार ने स्पष्ट संदेश दिया है। ड्रग्स के खिलाफ लड़ाई केवल केंद्र सरकार नहीं जीत सकती। एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स को अधिक संसाधन, एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय, मजबूत चार्जशीट और जवाबदेह व्यवस्था पर जोर बताता है कि अब परिणाम आधारित कार्य संस्कृति विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है। यदि राज्यों में यह व्यवस्था प्रभावी ढंग से लागू होती है तो ड्रग्स नेटवर्क पर लगातार दबाव बनाए रखना संभव होगा।

विशेष एनडीपीएस अदालतों के गठन पर दिया गया जोर भी स्वागतयोग्य है। अक्सर वर्षों तक मुकदमे लंबित रहने से अपराधियों का मनोबल बढ़ता है। यदि जांच के साथ त्वरित सुनवाई और शीघ्र सजा सुनिश्चित होती है तो इसका मनोवैज्ञानिक प्रभाव भी व्यापक होगा और ड्रग्स कारोबार में शामिल लोगों के लिए कानून का डर बढ़ेगा।

सरकार ने सीमाओं से लेकर गांवों तक निगरानी मजबूत करने की जो योजना बनाई है, वह भी महत्वपूर्ण है। सीमावर्ती गांव, बंदरगाह, एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन और संवेदनशील जिलों में तकनीकी निगरानी तथा कम्युनिटी पुलिसिंग का विस्तार इस बात का संकेत है कि अब तस्करी के हर संभावित मार्ग पर नजर रखी जाएगी। साथ ही अवैध अफीम और अन्य मादक फसलों की खेती के खिलाफ बढ़ती कार्रवाई यह दशार्ती है कि सरकार उत्पादन के स्रोत पर भी समान सख्ती बरत रही है।

ड्रग्स के खिलाफ समाज की भागीदारी को अभियान का आधार बनाना भी दूरदर्शी कदम है। माता-पिता, शिक्षक, शिक्षण संस्थान, युवा संगठन और सामाजिक संस्थाएं यदि इस लड़ाई में सक्रिय भूमिका निभाते हैं तो नशे की मांग स्वतः घटेगी। आखिर किसी भी अवैध कारोबार का सबसे बड़ा आधार उसकी मांग होती है। जब समाज ही नशे के प्रति जागरूक होगा तो तस्करी के नेटवर्क भी कमजोर पड़ेंगे।

इस संबंध में पिछले वर्षों के आंकड़े भी बताते हैं कि कार्रवाई का दायरा लगातार बढ़ा है। रिकॉर्ड मात्रा में मादक पदार्थों की जब्ती, लाखों मामलों का पंजीकरण, बड़ी संख्या में गिरफ्तारियां, अवैध खेती का विनाश और हजारों करोड़ रुपये मूल्य के ड्रग्स का नष्ट किया जाना यह संकेत देता है कि सरकार ने इस चुनौती को प्राथमिकता दी है। अब 6,000 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के मादक पदार्थों के विनष्टीकरण का नया अभियान इस प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है।

निःस्संदेह, नशामुक्त भारत का लक्ष्य सिर्फ सरकारी योजनाओं के भरोसे हासिल नहीं हो सकता है, इसके लिए कानून, तकनीक, न्याय व्यवस्था, सामाजिक जागरूकता और जनसहभागिता से लेकर वे तमाम उपाय एक साथ हर मोर्चे पर करने होंगे, जो इसे रोकने के लिए आवश्यक हैं। ₹डिटेक्ट, डिसरप्ट और डिस्ट्रॉय₹ की नई रणनीति इसी समग्र सोच का परिचायक है। यदि इस रोडमैप को पूरी प्रतिबद्धता और समन्वय के साथ लागू किया गया तो आने वाले वर्षों में भारत उम्मीद करेंगे कि ड्रग्स माफिया के खिलाफ निर्णायक बढ़त हासिल करेगा, तभी हम सही मायनों में विकसित भारत के संकल्प को भी एक मजबूत सामाजिक आधार प्रदान कर पाएंगे।

क्या कागजों पर सिमट रही हैं ग्राम सभाएं?

परंतु समय के साथ इस बुनियादी लोकतांत्रिक संस्था की कार्यप्रणाली में कई विसंगतियां और चुनौतियां सामने आई हैं। इनमें सबसे बड़ी और चिंताजनक चुनौती यही है कि आज के इस तकनीकी युग के बावजूद ग्राम सभा की बैठकों में आम नागरिकों की भागीदारी घट रही है।

ओ.पी. पाल

भारतीय लोकतंत्र का जमीनी आधार और भारत की आत्मा गांवों में बसती है, उन गांवों की लोकतांत्रिक आत्मा 'ग्राम सभा' में निहित है। भारतीय संविधान के 73वें संशोधन ने पंचायती राज संस्थाओं को संवैधानिक दर्जा देकर सत्ता के विकेंद्रीकरण की जो नींव रखी थी, उसकी सबसे महत्वपूर्ण और प्रत्यक्ष इकाई ग्राम सभा ही है। ग्राम सभा केवल स्थानीय शासन की एक संस्था नहीं है बल्कि यह देश के हर ग्रामीण नागरिक को सीधे नीति-निर्माण, बजट निर्धारण और विकास कार्यों की निगरानी का अधिकार देने वाला सशक्त मंच है। परंतु समय के साथ इस बुनियादी लोकतांत्रिक संस्था की कार्यप्रणाली में कई विसंगतियां और चुनौतियां सामने आई हैं। इनमें सबसे बड़ी और चिंताजनक चुनौती यही है कि आज के इस तकनीकी युग के बावजूद ग्राम सभा की बैठकों में आम नागरिकों की भागीदारी घट रही है। मसलन, केंद्र सरकार और नीति आयोग की जारी ताजा रिपोर्ट ने जमीनी लोकतंत्र की बुनियाद मजबूत करने की चुनौती खड़ी कर दी है। हालांकि यह अध्ययन भारत की ग्रामीण विकास नीतियों को 'संख्या-केंद्रित' से 'परिणाम-केंद्रित' बनाने का सटीक मार्गदर्शक दस्तावेज साबित हो सकता है।दरअसल, देश में जमीनी लोकतंत्र की इसी गंभीर समस्या का बारीकी से अध्ययन करने और इसका समाधान खोजने के लिए केंद्रीय पंचायती राज मंत्रालय के तत्वावधान में व्यापक राष्ट्रीय अध्ययन कराया गया। राष्ट्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज संस्थान, हैदराबाद द्वारा तैयार की गई यह द्वि-खंडीय रिपोर्ट देश में नागरिक-केंद्रित शासन को सुदृढ़ करने की दिशा में ऐतिहासिक और साक्ष्य आधारित दस्तावेज है। खास बात है कि इस अध्ययन का दायरा और सांख्यिकी के हिसाब से भारत के ग्रामीण नीति-निर्माण के इतिहास में सबसे व्यापक और विशाल क्षेत्र आधारित आकलनों में से एक है। देश की ग्राम सभाओं को लेकर यह राष्ट्रीय अध्ययन रिपोर्ट भारत के ग्रामीण स्वशासन के इतिहास में अत्यंत महत्वपूर्ण मोड़ है। जैसा कि रिपोर्ट में स्पष्ट किया गया है कि नागरिक-केंद्रित शासन देने के लिए जीवंत ग्राम सभाएँ अनिवार्य हैं। जब तक देश के गांवों का अंतिम व्यक्ति ग्राम सभा की बैठक में शामिल होकर अपने गांव के भविष्य का फैसला करने में सक्षम और उत्सुक नहीं होगा, तब तक लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण का सपना अधूरा रहेगा।पंचायती राज मंत्रालय और नीति आयोग का यह संयुक्त प्रयास साक्ष्य-आधारित नीतियों के माध्यम से देश की जमीनी लोकतांत्रिक संस्थाओं को एक नई ऊर्जा, समावेशन और शक्ति प्रदान करने का मार्ग प्रशस्त करता है। इस दिशा में मोदी सरकार देश के हर नागरिक को सशक्त बनाने और नीतियों के केंद्र में 'नागरिक' को रखने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने ग्राम सभा को जमीनी लोकतंत्र की सबसे सच्ची अभिव्यक्ति करार देकर ग्रामीण ढांचागत और संस्थागत व्यवस्था की नींव को मजबूती देने की पहल की है। इस रिपोर्ट की विश्वसनीयता और इसकी साक्ष्य आधारित प्रकृति को समझने के लिए इसके सांख्यिकीय दायरे को समझना आवश्यक है। इस रिपोर्ट में संस्थान के सह-अध्यापक डॉ. अंजन कुमार भांजा द्वारा प्रस्तुत किए गए निष्कर्षों पर गौर किया जाए तो यह देश के सबसे बड़े क्षेत्र-आधारित अध्ययनों में से एक है। इस शोध के दायरे में देश के 26 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 213 जिलों को शामिल किया गया। टीम ने लगभग 400 ग्राम पंचायतों (जिनमें पेसा 'ढएरअ' क्षेत्र और महिला-हितैषी पंचायतें भी शामिल हैं) का दौरा कर 7,800 उत्तरदाताओं से सीधा संवाद किया, जिसके बाद यह साक्ष्य आधारित द्वि-खंडीय रिपोर्ट तैयार की गई। इसमें 10 राज्यों की उन 'बेस्ट प्रैक्टिसेज' (सर्वोत्तम प्रयोगों) को भी शामिल किया गया है, जिन्होंने अपने यहाँ भागीदारी बढ़ाने में सफलता पाई है। है। इस अध्ययन रिपोर्ट को 30 जून 2026 को नई दिल्ली में नीति आयोग के सदस्य डॉ. आर. बालासुब्रमण्यम और पंचायती राज मंत्रालय के सचिव विवेक भारद्वाज द्वारा जारी किया, जिसमें जमीनी लोकतंत्र की कमजोर होती नींव और उसकी चुनौतियों को लेकर चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं।

अध्ययन रिपोर्ट के अनुसार भागीदारी में सबसे बड़ी बाधाएं ग्राम सभाओं में लोगों का न आना केवल उदासीनता नहीं बल्कि इसके पीछे गहरे सामाजिक-आर्थिक और व्यावहारिक कारण हैं। इसमें आजीविका और समय के संकट के कारण 55.5 प्रतिशत भागीदारी न होने का सबसे बड़ा कारण है, इसमें ग्रामीण आबादी का बड़ा हिस्सा दैनिक मजदूरी या कृषि पर निर्भर है। जबकि व्यस्त कार्य दिनचर्या (41.74 प्रतिशत) और कृषि कार्यों की व्यस्तता (30.26 प्रतिशत) के कारण लोग अपनी दिहाड़ी छोड़कर बैठकों में नहीं आ पाते। इसके अलावा कम प्रतिनिधित्व वाले समूह को लेकर खुलासा हुआ है कि प्रवासी परिवार (17.61 प्रतिशत), युवा (16.73 प्रतिशत), बुजुर्ग (15.80 प्रतिशत) और महिलाएं (13.40 प्रतिशत) ग्राम सभा की प्रक्रियाओं में सबसे कम शामिल हो पाते हैं। यही नहीं इसके अलावा 45.46 प्रतिशत चर्चा के विषयों का प्रासंगिक न होना और 42.0 प्रतिशत हर बार एक जैसी उबाऊ और दोहराव वाली चर्चाएं भी इस व्यवस्था को प्रभावित कर रही हैं। जबकि 33.4 प्रतिशत प्रशासन और व्यवस्था के प्रति अविश्वास, 32.7 प्रतिशत राजनीतिक हस्तक्षेप और 27.9 प्रतिशत स्थानीय गुटबाजी के साथ 16.2 प्रतिशत शिकायतों के निवारण की कमजोर व्यवस्था भी बड़ा कारण माना गया है। पंचायती राज मंत्रालय के सचिव विवेक भारद्वाज ने ग्रामीण भारत में आए बदलावों को रेखांकित करते हुए कहा कि पिछले एक दशक में गांवों तक बुनियादी सुविधाओं की सार्वभौमिक पहुंच सुनिश्चित हुई है। अब बारी जमीनी लोकतंत्र को और गहरा करने की है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि यह अध्ययन महिलाओं, युवाओं और हाशिए पर रहने वाले समुदायों की भागीदारी बढ़ाने के लिए रणनीतिक कदम उठाने में मील का पत्थर साबित होगा। मंत्रालय जल्द ही राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के साथ मिलकर इस रिपोर्ट की सिफारिशों को जमीन पर लागू करेगा, ताकि देश की ग्राम सभाएं अधिक समावेशी और परिणामोन्मुख बन सकें। इस अध्ययन रिपोर्ट से एक बड़ा संदेश यह भी मिलता है कि ग्राम सभाओं को सफल बनाने का पैमाना केवल 'बैठक में जुटी भीड़' या 'हाजिरी रजिस्टर' नहीं होना चाहिए। वास्तविक सफलता इस बात में है कि चर्चाएं कितनी प्रासंगिक हैं, निर्णय कितने पारदर्शी हैं और शिकायतों का निवारण कितनी तेजी से होता है। जब तक ग्रामीण नागरिकों को ग्राम सभा के निर्णयों का जमीन पर वास्तविक असर नहीं दिखेगा, तब तक उनका भरोसा जीतना नामुमकिन है।

जगन्नाथ रथयात्रा से गुरु पूर्णिमा तक

साल 2026 का सातवां महीना यानी की जुलाई की शुरूआत हो चुकी है। यह महीना कई बड़े धार्मिक व्रत और त्योहारों से भरपूर रहने वाला है। जुलाई महीने में कई हिंदू धर्म के प्रमुख व्रत और त्योहार मनाए जाएंगे। संकष्टी चतुर्थी से जुलाई महीने की शुरूआत हो रही है। इस महीने आषाढ़ गुप्त नवरात्रि, जगन्नाथ रथयात्रा, देवशयनी एकादशी और गुरु पूर्णिमा जैसे व्रत-त्योहार मनाए जा रहे हैं। वहीं चातुर्मास लगने से कुछ समय के लिए सभी मांगलिक कार्यों पर रोक लग जाएगी। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको जुलाई में पड़ने वाले सभी हिंदू त्योहारों के बारे में बताने जा रहे हैं।

जगन्नाथ रथयात्रा

आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को पुरी में भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा की भव्य रथयात्रा निकाली जाती है। इस दिन भगवान गुडिंचा मंदिर के लिए प्रस्थान करते हैं। इस दौरान लाखों की संख्या में भक्त पुरी पहुंचते हैं।

आषाढ़ गुप्त नवरात्रि

15 जुलाई 2026 से आषाढ़ गुप्त नवरात्रि की शुरूआत हो रही है। जोकि सामान्य नवरात्रि से अलग होती है। गुप्त नवरात्रि में साधक तंत्र-मंत्र और दस महाविद्याओं की विशेष साधना करते हैं। आध्यात्मिक उन्नति और विशेष सिद्धियों की प्राप्ति के लिए गुप्त नवरात्रि बेहद शुभ माना जाता है।

देवशयनी एकादशी और चातुर्मास

देवशयनी एकादशी को हरिशयनी एकादशी भी कहा जाता है। इस बार 25 जुलाई को देवशयनी एकादशी मनाई जाएगी। मान्यताओं के मुताबिक इस दिन से जगत के पालनहार भगवान विष्णु 4 महीनों के लिए क्षीरसागर में योगनिद्रा के लिए जाते हैं। इसी दिन से चतुर्मास की शुरूआत होती है। इस दौरान शुभ और मांगलिक कार्य जैसे गृह प्रवेश, विवाह और मुंडन आदि कार्यों से परहेज किया जाता है।

गुरु पूर्णिमा और सावन की शुरूआत

बता दें कि 29 जुलाई 2026 को गुरु पूर्णिमा मनाई जाएगी। इस दिन से भगवान शिव के प्रिय माह श्रावण की शुरूआत होती है। पूरे सावन शिवालयों में भक्तों की भारी भीड़ देखने को मिलती है। गुरु पूर्णिमा का दिन गुरु और महर्षि वेदव्यास के प्रति श्रद्धा समर्पित करने के लिए होती है।

टिप्स

खाली पेट लीची बन सकती है 'मीठा जहर'

गर्मियों में ताजे फल और जूसी फल खूब खाए जाते हैं। ऐसा ही एक फल लीची है। यह सिर्फ मीठा और रसीला फल नहीं बल्कि इस फल में हल्का सा खट्टापन भी होता है। जो इसको एसिडिक बनाता है। यही कारण है कि खाली पेट लीची खाना सेहत के लिए नुकसानदेह माना जाता है। ऐसे में अगर आप भी खाली पेट लीची खाते हैं, तो आपको सावधान होने की जरूरत है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि खाली पेट लीची खाने से क्या-क्या नुकसान हो सकते हैं।

जानिए खाली पेट लीची खाने के नुकसान

खाली पेट लीची खाना सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकता है। खाली पेट लीची खाने से एक्यूट इंसेफेलाइटिस सिंड्रोम की समस्या हो सकती है। खासतौर पर यह सिंड्रोम छोटे बच्चों में पाया जाता है। क्योंकि वह चीजों को बिना धोए खा लेते हैं। वहीं वह बच्चे ज्यादा संवेदनशील होते हैं, जिनका इम्यून सिस्टम कमजोर होता है।

जब तापमान बढ़ने लगता है तो लीची में फंगस, बैक्टीरिया और वायरस पनपने की आशंका रहती है। इस कारण एक्यूट इंसेफेलाइटिस सिंड्रोम का खतरा हो जाता है। इसके लक्षणों में दौरे पड़ना, बुखार और कोमा जैसी जानलेवा स्थिति बन सकती है।

लीची में टॉक्सिन्स

दरअसल, लीची में दो टॉक्सिक कंपाउंड पाए जाते हैं। एक तो हाइपोग्लाइसिन-अ और दूसरा मेथिलीन साइक्लोप्रोपाइल ग्लाइसिन दोनों कंपाउंड पाए जाते हैं। यह दोनों शरीर में ग्लूकोज के काम में दखल देते हैं। वहीं यह टॉक्सिन्स बॉडी में ब्लड शुगर लेवल कम कर देते हैं। इस कंडीशन को हाइपोग्लाइसेमिया कहा जाता है।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in **email : metrorays.ranchi@gmail.com**

कृषि तकनीकों की जानकारी पंचायत स्तर पर किसानों तक पहुंचाया जाएगा : उपायुक्त

किसानों की आय में वृद्धि सुनिश्चित करने में सहायता मिलेगी

01 जुलाई से 15 जुलाई तक जिले के सभी प्रखंडों की पंचायतों एवं संकुलों में चलेगा जागरूकता अभियान

संवाददाता

साहिबगंजःकृषि विभाग द्वारा संचालित बिरसा कृषि रथ को समाहरणालय परिसर से जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त दीपक कुमार दूबे द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।बिरसा कृषि रथ का संचालन 1 जुलाई से 15 जुलाई तक साहिबगंज जिले के सभी प्रखंडों की पंचायतों एवं संकुलों में किया जाएगा। यह रथ खरीफ मौसम के पूर्व कृषि विभाग द्वारा किसानों के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराने के साथ-साथ संभावित सुखाड़ की स्थिति में वैकल्पिक खेती एवं आवश्यक कृषि तकनीकों की जानकारी पंचायत स्तर पर भ्रमण के दौरान किसानों तक पहुँचाएगा।बिरसा कृषि रथ निर्धारित रूट चार्ट के अनुरूप कुल 15 दिनों तक ग्राम पंचायतों का भ्रमण करेगा। इस दौरान आयोजित किसान संगोष्ठियों के माध्यम से विभागीय योजनाओं की जानकारी देने के साथ-साथ दलहन एवं तेलहन की उन्नत खेती मोटे अनाज की खेती प्राकृतिक खेती संतुलित उर्वरक प्रयोग वैकल्पिक कृषि, समेकित कृषि प्रणाली व उच्च मूल्य वाली कृषि फसलों सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर प्राथमिकता के आधार पर परिचर्चा आयोजित की जाएगी। इसके अतिरिक्त कृषि व कृषि से संबद्ध विभागों द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी कृषकों को उपलब्ध कराई जाएगी।इस अवसर पर उपायुक्त श्री दुबे ने जिले के किसानों से अपील करते हुए कहा कि वे अपने-अपने पंचायतों में निर्धारित तिथि के अनुसार बिरसा कृषि रथ के माध्यम से आयोजित जागरूकता कार्यक्रमों में अधिक से अधिक संख्या में भाग लें। उन्होंने कहा कि इस अभियान के माध्यम से किसानों को कृषि विशेषज्ञों से सीधे संवाद करने आधुनिक कृषि तकनीकों की जानकारी प्राप्त करने और विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ लेने का अवसर मिलेगा जिससे खरीफ मौसम में बेहतर उत्पादन व किसानों की आय में वृद्धि सुनिश्चित करने में सहायता मिलेगी। उन्होंने कहा कि कृषि विभाग गाँव-गाँव पहुँचकर किसानों को नई तकनीकों से अवगत कराएगा तथा विभागीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराएगा।बिरसा कृषि रथ के साथ प्रत्येक गाँव के कृषक मित्र पंचायत के जनसेवक प्रखंड स्तर पर संबंधित प्रखंड कृषि पदाधिकारी बी.टी.एम. एवं ए.टी.एम. को टैग किया गया है। साथ ही जिला स्तर पर कृषि एवं संबद्ध विभागों के पदाधिकारियों को विभिन्न प्रखंडों के वरीय पदाधिकारी के रूप में प्रतिनियुक्त किया गया है। सभी संबंधित अधिकारियों को निर्धारित तिथि के अनुसार कार्यक्रम का सफल संचालन सुनिश्चित करने तथा अधिकाधिक किसानों की सहभागिता सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया गया है। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त सतिश चंद्रा अपर समाहर्ता विजय कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी अमर जॉन आईन्द, जिला कृषि पदाधिकारी प्रमोद एक्का, जिला मत्स्य पदाधिकारी विरेन्द्र विन्हा, जिला सहकारिता पदाधिकारी महादेव मुर्मू, वरीय वैज्ञानिक, कृषि विज्ञान केन्द्र, डीपीएम जेएसएलपीएस, जिला योजना व मूल्यांकन पदाधिकारी उप परियोजना निदेशक आत्मा व आत्मा के कर्मी उपस्थित थे।

न्यूज IN ब्रीफ

तिलकधारी कुआं के निकट युवक को मारी गोली मौत

साहिबगंजःनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत बंगाली टोला, तिलकधारी कुआं के निकट बुधवार की देर शाम स्थानीय युवक आदर्श उर्फ पुक्कू 20 पिता सुनील कुमार दास को अज्ञात लोगों ने गोली मार दी।बताया जा रहा है कि गोली युवक के बाएं सीने में लगी है। वारदात की सूचना मिलते ही नगर थाना इंस्पेक्टर अमित गुप्ता ने दलबल के साथ घायल युवक को सदर अस्पताल पहुंचाया।जहां डॉ मुकेश कुमार ने जांचोपरांत युवक को मृत घोषित कर दिया।फिलहाल पुलिस मामले की जांच-पड़ताल कर रही है।परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय में हुआ हिंदी कार्यशाला का हुआ आयोजन

हजारीबाग : राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय, हजारीबाग में मंगलवार को प्रत्येक तिमाही की तरह हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि निरंजन बर्णवाल, सदस्य सचिव, नराकास हजारीबाग थे। कार्यक्रम की शुरूआत भारतीय सांख्यिकी के जनक प्रो. पी. सी. महालनोबिस के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित एवं दीप प्रज्ज्वलित कर की गई। वरिष्ठ सांख्यिकीय अधिकारी सह कार्यालय प्रभारी सूरज कुमार ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। इस अवसर पर कार्यालय कर्मियों ने उन्हें पौधा और अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया।सूरज कुमार ने हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग को बढ़ावा देता है। वरिष्ठ सांख्यिकीय अधिकारी ब्रजेश्वर कुमार ने कहा कि कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के अधिक प्रयोग से इसके विकास का मार्ग और मजबूत होगा।वहीं वरिष्ठ सांख्यिकीय अधिकारी नितिन मिलन एवं प्रवीण कुमार ने अहिंदी भाषी क्षेत्रों में अपने कायानुभव साझा करते हुए हिंदी के व्यापक उपयोग की आवश्यकता पर बल दिया। मुख्य अतिथि निरंजन बर्णवाल ने कार्यालय द्वारा राजभाषा के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कार्यालय परिसर में प्रदर्शित राजभाषा अधिनियम की धारा 3(3) से संबंधित पोस्टर की भी प्रशंसा की। कार्यक्रम में कनिष्ठ सांख्यिकीय अधिकारी आशीष कुमार कंधवे, जानकी नाथ मिश्र, सतीश गुप्ता, सूरज कुमार, सुधीर कुमार, मनीष किशोर, श्रुति भदानी तथा सर्वेक्षण प्रगणक मिथलेश मोदी, बृज किशोर सिंह और श्रीकांत खान ने अपने विचार व्यक्त किए। मंच संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन कनिष्ठ सांख्यिकीय अधिकारी सह नामित राजभाषा अधिकारी जानकी नाथ मिश्र ने किया।

मेडिकल कॉलेज अस्पताल ब्लड बैंक में रक्तदान का महाअभियान सफल

हजारीबाग : हजारीबाग हमारे प्रतिनिधि शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में रक्त की कमी को अब इतिहास बनाने की तैयारी है। जिला प्रशासन और हिन्दुस्तान अखबार द्वारा संयुक्त रूप से चलाई गई 12 दिनों की विशेष जागरूकता मुहिम का असर बुधवार को देखने को मिला। बुधवार को अस्पताल ब्लड बैंक परिसर में आयोजित स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में रक्तदाताओं का सैलाब उमड़ पड़ा। बताते चलें कि पिछले बीते 12 दिनों से हिन्दुस्तान ने अपने समाचारों के माध्यम से आम नागरिकों और युवाओं को रक्तदान के प्रति जागरूक करने का जो बीड़ा उठाया था, उसे बुधवार को नई ऊर्जा मिली। इस दौरान अखबार ने न केवल रक्तदान के फायदों के बारे में बताया, बल्कि लोगों के बीच व्याप्त भ्रांतियों को भी दूर किया। इसी मुहिम का परिणाम रहा कि शिविर में पहुंचे युवाओं और प्रबुद्ध नागरिकों ने पूरी ऊर्जा के साथ रक्तदान किया और कुल 27 यूनिट रक्त का संग्रह किया गया। हर माह की पहली तारीख को अब रक्तदान दिवस अस्पताल ब्लड बैंक में रक्त की किल्लत और मरीजों की परेशानी को देखते हुए प्रशासन ने एक सराहनीय निर्णय लिया है। अब हर माह की पहली तारीख को नियमित रूप से रक्तदान शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर के दौरान स्वास्थ्य कर्मियों के साथ-साथ स्वयंसेवकों ने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया। युवाओं ने कहा कि वे इस मुहिम का हिस्सा बनकर खुद को गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। प्रशासन ने उन सभी रक्तदाताओं का आभार जताया है जिन्होंने मानवता की सेवा में अपना योगदान दिया। साथ ही, शहरवासियों से आग्रह किया गया है कि वे हर माह की पहली तारीख को होने वाले शिविर को सफल बनाने में इसी तरह अपना सहयोग जारी रखें।

संत कबीरदास की 628वीं जयंती पर गोष्ठी आयोजित

हजारीबाग : स्थानीय स्वर्ण जयंती पार्क स्थित सागर भक्ति संगम के तत्वावधान में संत कबीरदास की 628वीं जयंती पर गोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम की शुरूआत संजय खत्री एवं सतीश होरा ने कबीर के दोहों के गायन से की। अध्यक्षता संयोजक केसी मेहरोत्रा ने की। उन्होंने कबीरदास के जीवन, विचारों और उनके दोहों की गहराई पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने मानवता, समानता और सामाजिक समरसता का संदेश दिया। सुरेंद्र गुप्ता सहित अन्य वक्ताओं ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम में वीरेंद्र जायसवाल, अखिलेश्वर प्रसाद, इंद्र सोनी, मनीष होरा, पप्पूजी, विजय अकेला, सुरेश मिस्त्री , महेंद्र प्रसाद सहित कई लोग उपस्थित रहे।

चौपारण में अवैध महुआ शराब की भट्ठियां ध्वस्त

?चौपारण : उत्पाद विभाग और चौपारण पुलिस की टीम ने संयुक्त रूप से अवैध शराब निर्माण के विरुद्ध छापेमारी अभियान चलाया। टीम ने भगहर पंचायत के परसातरी और अम्बातरी में छापेमारी कर अवैध शराब की भट्ठियों को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। मामले की जानकारी देते हुए उत्पाद निरीक्षक सुमितेश कुमार ने बताया कि तस्करों द्वारा नदी और घने जंगल का लाभ उठाकर अवैध रूप से शराब भट्ठियों का संचालन किया जा रहा था। गुप्त सूचना के आधार पर की गई कार्रवाई में करीब 8,800 किलोग्राम जावा महुआ को मौके पर विनष्ट कर दिया गया। वही करीब 1,200 लीटर तैयार अवैध चुलाई शराब जब्त की गई।इस दौरान शराब बनाने में इस्तेमाल होने वाले बर्तन, ड्रम, पाइप और अन्य उपकरण भी बरामद कर जब्त कर लिए गए हैं। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में अवैध शराब के निर्माण और बिक्री के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा। छापेमारी दल में उत्पाद विभाग अवर निरीक्षक सुमितेश कुमार, सहायक अवर निरीक्षक सय्यद बसिरुद्दीन व एंटोनी बागे के साथ-साथ सशस्त्र गृह रक्षा वाहिनी के जवान और चौपारण थाना के पुलिस बल के जवान मुख्य रूप से शामिल थे।

काली मंदिर में चोरी करने का प्रयास जांच में जुटी पुलिस

साहिबगंजःनगर थाना क्षेत्र के कॉलेज रोड स्थित टमटम स्टैंड काली मंदिर में मंगलवार बुधवार की देर रात को दो युवकों ने चोरी करने का प्रयास किया। हालांकि दोनों युवक चोरी की घटना को सफल बनाने में असफल रहे।जहां काली मंदिर में चोरी करने के लिए आए दोनों युवकों की पूरी वारदात पास में ही लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया है। जहां मामले की जानकारी मिलने के बाद नगर थाना क्षेत्र की पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर सीसीटीवी कैमरे में कैद दोनों युवकों की पहचान करने में जुट गई है।

डिजिटल दौर में अभिभावकों को बच्चों के साथ नियमित संवाद रखना जरूरी

एजेंसी

हजारीबाग : वरीय संवाददाता संत जेवियर्स स्कूल, हजारीबाग के प्लेटिनम जुबिली समारोह के तहत बुधवार को विद्यालय के मैजिस जुबिली ऑडिटोरियम में बातों ही बातों में टॉक शो का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कक्षा 10, 11 एवं 12 के विद्यार्थियों के साथ उनके अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य किशोरावस्था, मानसिक स्वास्थ्य, सोशल मीडिया, डिजिटल पैरेंटिंग और अभिभावकों-बच्चों के बीच बेहतर संवाद को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्राचार्य रेव. फादर रोसनर खलखो एस.जे ने स्वागत सम्बोधन से किया। मौके पर उप-प्राचार्य डॉ. देवब्रत मित्रा तथा रांची के सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ साइकियाट्री (सीआईपी) से आए विशेषज्ञों ने भाग लिया।प्राचार्य रेव. फादर रोसनर खलखो ने कहा कि संत जेवियर्स स्कूल अपने 75 वर्ष पूरे कर चुका है। अब समय नए इतिहास रचने का है। उन्होंने कहा कि जीवन में समस्याएं आती रहेंगी, लेकिन उनका सकारात्मक ढंग से सामना करना ही सफलता की कुंजी है। उन्होंने कहा कि आज के डिजिटल और सोशल मीडिया के दौर में अभिभावकों को बच्चों के साथ नियमित संवाद बनाए रखना चाहिए। ऑनलाइन अनुभव साझा करें, बच्चों की गतिविधियों पर सकारात्मक निगरानी रखें और तकनीक का उपयोग जिम्मेदारी के साथ करना सिखाएं। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का उपयोग मानव बुद्धिमत्ता के साथ करना चाहिए, न कि उस पर पूरी तरह निर्भर हो जाना चाहिए। उप प्राचार्य देवब्रत मित्रा ने विद्यार्थियों को अधिक से अधिक पुस्तकें पढ़ने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि विद्यालय में पढ़ने की संस्कृति को बढ़ावा दिया जा रहा है। अधिक पुस्तकें पढ़ने वाले विद्यार्थियों को प्रोत्साहन स्वरूप पुरस्कार भी दिए जाएंगे। कार्यक्रम में सीआईपी, रांची के विशेषज्ञ डॉ. वरुण मेहता, डॉ. पल्लवी पी., डॉ. अनुराग प्रभु, डॉ. ए.एस. कमीला तथा मिस अंकिता पॉल ने मानसिक स्वास्थ्य, किशोरावस्था की चुनौतियां, सहानुभूति, स्वस्थ मित्रता तथा डिजिटल पैरेंटिंग जैसे विषयों पर व्यावहारिक जानकारी दी। विशेषज्ञों ने अभिभावकों के सवालों के जवाब देकर उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया। कार्यक्रम के दौरान अभिभावकों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि वर्तमान समय में ऐसे संवादात्मक कार्यक्रम बेहद आवश्यक हैं। समापन अवसर पर प्राचार्य रेव. फादर रोसनर खलखो ने सभी विशेषज्ञों, विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं आयोजन समिति के सदस्यों का आभार व्यक्त किया। भविष्य में भी विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए इस तरह के जागरूकता एवं संवाद आधारित कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे।

पत्रकारों के ऊपर हुए दुर्व्यवहार और गंभीर आरोपों को लेकर जेजेए ने की बैठक

संवाददाता

साहिबगंजःसर्किट हॉउस मे जेजेए की जिला इकाई कमिटि के जिलाध्यक्ष चंदन सिंह की अध्यक्षता में आयोजित समीक्षा बैठक में बीते रात्रि कोटालपोखर थाना क्षेत्र के चेकनाका पर खबर संकलन के दौरान चार पत्रकारों के साथ हुए कथित दुर्व्यवहार एवं उनकी गिरफ्तारी के मामले पर गंभीर विचार-विमर्श किया गया।बैठक में कई प्रास्तव पारित किए गए।जिसमे झारखंड जर्नलिस्ट एसोसिएशन,साहिबगंज जिला इकाई ने चारों पत्रकारों के साथ हुई घटना पर गहरी चिंता एवं दुख व्यक्त किया।बैठक के दौरान पीड़ित पत्रकारों के परिजनों से दूरभाष पर वार्ता कर पूरे घटनाक्रम की जानकारी प्राप्त की गई।इसके उपरांत पीड़ित परिवार की ओर से जिलाध्यक्ष के नाम एक लिखित आवेदन संगठन को सौंपा गया,जिसमें घटना की पूरी आपबीती बताते हुए मामले की निष्पक्ष जांच कराने एवं न्याय दिलाने के लिए संगठन से सहयोग की अपील की गई।प्रदेश नेतृत्व के निर्देश एवं प्राप्त आवेदन के आलोक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि पूरे मामले की वस्तुस्थिति जानने के लिए तीन सदस्यीय जिला जांच समिति का गठन किया जाए।यह समिति राजमहल उपकारा में बंद चारों पत्रकारों से मुलाकात कर,घटनाक्रम की तथ्यात्मक जानकारी एकत्रित करेगी तथा अपनी विस्तृत जांच रिपोर्ट जिला इकाई को सौंपेगी।वही बैठक मे जेजेए की ओर से जांच समिति का गठन किया गया।जिसमे जिला उपाध्यक्ष अब्दुल मन्नान,भूदेव कुमार,राजमहल प्रखंड कोषाध्यक्ष सह अधिवक्ता दिनेश उपाध्याय को रखा गया है।बैठक में सर्वसम्मति से यह भी निर्णय लिया गया कि झारखंड जर्नलिस्ट एसोसिएशन,साहिबगंज जिला इकाई का एक शिष्टमंडल पुलिस अधीक्षक साहिबगंज से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपेगा।ज्ञापन के माध्यम से कोटालपोखर थाना में दर्ज प्राथमिकी, चेकनाका पर हुई पूरी घटना तथा संबंधित प्रशासनिक कार्रवाई की निष्पक्ष एवं पारदर्शी जांच कराने की मांग की जाएगी।संगठन ने स्पष्ट किया कि जांच समिति की रिपोर्ट एवं उपलब्ध तथ्यों के आधार पर पत्रकार हित में आगे की रणनीति तय की जाएगी तथा आवश्यकता पड़ने पर लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक तरीके से आगे की कार्रवाई की जाएगी।जिला महासचिव रब नवाज आलम ने कहा कि पत्रकारों की सुरक्षा,सम्मान एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता लोकतंत्र की आधारशिला है।झारखंड जर्नलिस्ट एसोसिएशन सदैव पत्रकार हितों की रक्षा एवं न्यायपूर्ण,निष्पक्ष और पारदर्शी जांच के पक्ष में खड़ा रहेगा।बैठक में जिला अध्यक्ष चंदन सिंह जिला महासचिव रब नवाज आलम,प्रदेश सचिव अरविंद ठाकुर,डिजिटल मीडिया प्रदेश प्रभारी प्रवीण कुमार,जिला सचिव आलोक कुमार जिला कोषा ध्यक्षअमित कुमार सिंह पंकज कुमार वर्मा,तालझारी प्रखंड अध्यक्ष अमित कुमार चौधरी,संजय सिंह,सहेंद्र प्रसाद,मनीष शर्मा,गोविंद ठाकुर,धनंजय हलदार संजीव कुमार,आनंद कुमार चौधरी,प्रशांत कुमार,चंदन कुमार,उज्ज्वल कुमार साहा,दीपक कुमार साह एवं नवीन कुमार सहित जिला एवं प्रखंड इकाई के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

महाराजपुर एनएचआई ओवरब्रिज का उद्घाटन आवागमन हुआ शुरू

संवाददाता

साहिबगंज : महाराजपुर स्थित एनएचआई ओवरब्रिज का उद्घाटन आज प्रोजेक्ट मैनेजर अवधेश सिंह,महेश कुमार सिंह,मैकेनिकल इंजीनियर आशिष सिन्हा सेफ्टी प्रभारी छाया हाइवे इंजीनियर अरविंद उपाध्याय एवं मोना सिंह हिन्दू धर्म रक्षा मंच के प्रदेश महासचिव बजरंगी महतो के नेतृत्व में संपन्न हुआ।उद्घाटन के उपरांत संबंधित अधिकारियों,कर्मचारियों एवं स्टाफ के सहयोग से पुल पर वाहनों का परिचालन प्रारंभ कर दिया गया।जानकारी के अनुसार ओवरब्रिज के एक हिस्से को आम जनता के लिए खोल दिया गया है,जिससे क्षेत्रवासियों को आवागमन में काफी सुविधा मिलेगी और यातायात व्यवस्था सुगम होगी।वहीं,पुल के दूसरे हिस्से का निर्माण कार्य अभी जारी है,जिसे पूरा होने में लगभग डेढ़ से दो माह का समय लग सकता है।निर्माण कार्य पूर्ण होते ही उस हिस्से को भी आम जनता के लिए चालू कर दिया जाएगा।स्थानीय लोगों ने इस महत्वपूर्ण विकास कार्य के लिए संबंधित विभाग,अधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किया है।लोगों का मानना है कि ओवरब्रिज के शुरू होने से क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी तथा यातायात की समस्याओं का समाधान होगा।

बाईक और कार में टक्कर, बाईक सवार गंभीर रूप से घायल

चुरचू : चरही थाना क्षेत्र अंतर्गत चरही लालबंगला पंप के समीप मंगलवार दोपहर को एक कार और बाईक की सीधी टक्कर में बाईक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार तापिन की ओर से कार चरही की ओर जा रही थी। तभी चरही के तरफ से आ रहे एक बाईक सवार युवक ने सीधे कार को टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया और उसकी सर पर गहरी चोट लगी। घटना कि जानकारी मिलने पर चरही पुलिस मौके पर पहुंची, और स्थानीय लोगों कि मदद से घायल युवक को ईलाज के लिए सदर अस्पताल हजारीबाग भेज दिया गया। ग्राम कजरी निवासी संतोष प्रजापति, 22 वर्ष, पिता परमेश्वर प्रजापति अपने बाईक पल्सर से चरही से अपने घर कजरी जा रहा था। तभी लालबंगला के पास दुर्घटना का शिकार हो गया। दुर्घटनाग्रस्त कार भी तापिन की बताई जाती है।

मृतक के परिजन माता बहन और मोहल्ले के लोगों ने थाना का घेराव

संवाददाता

साहिबगंजःबीते दिन देर शाम तिलकधारी कुआं बंगाली टोला के समीप गोलीकांड का घटना को लेकर मृतक के परिजन माता बहन और मोहल्ले के लोगों ने थाना का घेराव किया ।कथित तौर पर घटना का सभी लोगों ने थाना प्रभारी के सामने व अन्य पुलिसकर्मी के समक्ष अपने पुत्र का इंसाफ को लेकर हत्यारे का गिरफ्तारी का मांग करते हुए थाना प्रभारी के चेंबर में घुसकर सभी महिलाओं ने मृतक के परिजन के द्वारा सभी ने चीख पुकार करना शुरू कर दी और सभी मोहल्ले के लोग भी उनके साथ खड़े रहे हैं। इंसाफ के लिए गुहार लगाते नजर आए वही समाचार लिखे जाने तक नोक झोक जारी था।

अंडरपास निर्माण से 80 हजार की आबादी को मिलेगा लाभ : विधायक

नवद्वीप धाम मायापुर ईस्कान मंदिर से प्रतिदिन श्रद्धालुओं का आगमन होता है

संवाददाता

साहिबगंजःराजमहल विधायक मो ताजुद्दीन के नेतृत्व मे तीनपहाड़ क्षेत्रीय विकास संघर्ष समिति का शिष्टमंडल मालदा डीआरएम से मुलाकात कर नौ सूत्री मांग पत्र सौपा।विधायक ने बताया कि झारखण्ड राज्य में एक मात्र राजमहल विधानसभा क्षेत्र से प्रवाहित होने वाली गंगा नदी जो ऐतिहासिक और धार्मि दृष्टिकोण से अपना विशेष महत्व रखती है।राजमहल को मुगलकालीन शासन में बिहार बंगाल एवं उड़ीसा राज्य के राजधानी होने का भी गौरव प्राप्त है।राजमहल के ऐतिहासिक धरोहर जामी मस्जिद बारादरी सिधी दलान टकसाल घर,झारखण्ड का एकमात्र रामसर साईट उधवा पक्षी अभ्यारण खाद्यान्न जीवाश्म फॉसिल्स कटघर जहाँ झारखण्ड सहित पश्चिम बंगाल व बिहार के अलावे विदेशी पर्यटकों का आगमन वर्ष भर होते रहता है।वही विश्व प्रसिद्ध ईस्कॉन द्वारा संचालित कन्हाई नाट्यशाला गुप्त वृंदावन में देश के विभिन्न क्षेत्रों के अलावे विदेशों से भी कृष्णभक्त का आगमन होता है।पश्चिम बंगाल के नवद्वीप धाम मायापुर ईस्कान मंदिर से प्रतिदिन श्रद्धालुओं का आगमन होता है।वहीं राजमहल उत्तरवाहिनी गंगातट में प्रत्येक वर्ष माघ मास के पूर्णिमा पर आदिवासी महाकुंभ राजकीय माघी पूर्णिमा मेला का भी आयोजन होता है जिसमें लाखों जी संख्या में देश के विभिन्न क्षेत्रों से गंगा स्नान हेतु श्रद्धालुओं का आगमन होता है।साथ ही साहेबगंज जिला के राजमहल उचवा तालझारी व बोरियों प्रखण्ड के लाखों यात्री सभी का आवागमन तीनपहाड़ जंक्शन के माध्यम से होती है इसलिए रेलवे के माध्यम से तीनपहाड़ जंक्शन में यात्रियों की सुविधा के लिए ट्रेनों का ठहराव अनिवार्य है।क्षेत्र भ्रमण के दौरान यह समस्या से क्षेत्र के जनता ने मुझे अवगत कराया है साथ ही ₹तीनपहाड़ क्षेत्रीय विकास संघर्ष समिति₹ के माध्यम से प्राप्त अनुरोध पत्र के अनुसार तीनपहाड़ स्टेशन में प्रमुख ट्रेनों के ठहराव के अलावे तीनपहाड़ अंडरपास पुल का नवीनीकरण का कार्य भी अनिवार्य है।इस अंडरपास के निर्माण से लगभग 80,000 की आबादी को इसका लाभ मिलेगा।शिष्टमंडल मे क्षेत्रीय संघर्ष समिति प्रोफेसर अनिल सरकार,रणधीर सिंह,मोहम्मद अनीस बाकी,मुर्शीद राजा,आफताब आलम, मोहम्मद वकार,राम दर्शन सिंह सहित अन्य शामिल थे।

क्या क्या है मुख्य मांगे

तीनपहाड़ रेल अंडरपास पुल का नवीनीकरण कर आवागमन शुरू किया जाए,तीनपहाड़ जंक्शन रेलवे स्टेशन पर मालदा पटना इंटरसिटी,दिल्ली कामख्या ब्रह्मपुत्र मेल,मालदा दिल्ली आनंद बिहार एक्सप्रेस गुवाहाटी दादर एक्सप्रेस गया कामख्या एक्सप्रेस का ठहराव किया जाए,तीनपहाड़ जंक्शन स्टेशन पर प्रथम श्रेणी प्रतीक्षालय एवं महिला प्रतिक्षालय का निर्माण करते हुए समुचित यात्री सुविधायें उपलब्ध करायी जाय,तीनपहाड़ रेलवे स्टेशन का सौदर्याकरण अमृत भारत योजना के तहत किया जाए तीनपहाड़ राजमहल व साहिबगंज के रेलवे की खाली पड़े जमीन पर व्यवसायिक दृष्टिकोण से मार्केट कम्प्लेक्स का निर्माण कराया जाए,तीनपहाड़ और राजमहल के पी.आर.एस.काउंटर का समयावधि विस्तार करते हुए रविवार को भी काउंटर खोलने की व्यवस्था की जाए,

राजमहल स्टेशन में एकमात्र प्लेटफार्म है इसका विस्तार किया जाए एवं नए प्लेटफार्म का निर्माण कराया जाए,साहिबगंज दानापुर इंटरसिटी ट्रेन का परिचालन तीनपहाड़ जंक्शन से किया जाए,तालझारी रेलवे स्टेशन में मालदा किऊल इंटरसिटी एक्सप्रेस ट्रेन का ठहराव किया जाए।

विंबलडन : जोकोविच ने सितसिपास को सीधे सेटों में हराकर तीसरे दौर में बनाई जगह

एजेंसी

लंदन : सात बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच ने बुधवार को विंबलडन 2026 में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए दूसरे दौर में ग्रीस के स्टेफानोस सितसिपास को सीधे सेटों में 6-3, 6-4, 6-2 से हराकर तीसरे दौर में प्रवेश कर लिया। सेंटर कोर्ट पर खेले गए मुकाबले में 39 वर्षीय सर्बियाई दिग्गज ने शुरू से अंत तक मैच पर अपना दबदबा बनाए रखा। लगभग दो घंटे तक चले इस मुकाबले में जोकोविच ने अनुभव और सटीक खेल का शानदार प्रदर्शन किया।दूसरे सेट के आठवें गेम में सितसिपास के पास ब्रेक

प्वाइंट बचाने का शानदार मौका था, लेकिन उन्होंने लगातार दो आसान स्मैश बाहर मार दिए। जोकोविच ने इस गलती का पूरा फायदा उठाते हुए सर्विस ब्रेक किया और इसके बाद सितसिपास की वापसी की उम्मीद पूरी तरह खत्म हो गई। इस जीत के साथ जोकोविच ने सितसिपास के खिलाफ लगातार 12वीं जीत दर्ज की।अब तीसरे दौर में उनका मुकाबला 25वीं वरीयता प्राप्त फ्रांस के आर्थर रिंडरकनेच से होगा। जोकोविच आठवां विंबलडन खिताब और रिकॉर्ड 25वां ग्रैंड स्लैम एकल खिताब जीतने की दौड़ में बने हुए हैं। जीत के बाद जोकोविच ने कहा,₹जब आप इस तरह का टेनिस खेलते हैं तो कोर्ट पर बेहद खुशी और संतुष्टि महसूस होती है। विंबलडन के सेंटर कोर्ट पर खेलना हमेशा मेरे लिए सम्मान की बात है। मैं इन पलों को कभी हल्के में नहीं लेता।उन्होंने आगे कहा,₹उम्र सिर्फ एक संख्या है। 30 वर्ष से अधिक की उम्र में भी इस कोर्ट पर उतरना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। वहीं, सितसिपास के लिए यह हार एक और बड़ा झटका साबित हुई। विश्व रैंकिंग में 87वें स्थान पर खिसक चुके ग्रीक खिलाड़ी हाल ही में अपने कोच और पिता अपोस्टोलोस सितसिपास से अलग हुए हैं और लगातार खराब फॉर्म से जूझ रहे हैं।इस जीत के साथ जोकोविच विंबलडन में 104वीं जीत दर्ज कर चुके हैं और अब वह रोजर फेडरर के पुरुष वर्ग में सर्वाधिक 105 जीत के रिकॉर्ड की बराबरी से सिर्फ एक जीत दूर हैं।

डीपीएल सीजन-3: दिग्वेश राठी और अनुज रावत से सजी पुरानी दिल्ली-6 की टीम

एजेंसी

नई दिल्ली: दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2026 के तीसरे सीजन के लिए पुरानी दिल्ली-6 ने बुधवार को हुए खिलाड़ी नीलामी के बाद अपनी 25 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। टीम ने अनुभवी खिलाड़ियों और युवा प्रतिभाओं का संतुलित संयोजन तैयार किया है। फ्रेंचाइजी ने भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की जगह ललित यादव को टीम में शामिल किया है। पंत अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट प्रतिबद्धताओं के कारण डीपीएल के इस सीजन में उपलब्ध नहीं रहेंगे। पुरानी दिल्ली-6 की टीम में अनुज रावत, दिग्वेश राठी, देव लाकड़ा, पंकज जसवाल, समर्थ सेठ, राजनीश दादर और उधव मोहन जैसे प्रमुख खिलाड़ियों को भी शामिल किया गया है। डीपीएल का तीसरा सीजन 31 जुलाई से 30 अगस्त तक खेला जाएगा। फ्रेंचाइजी के मालिक आकाश नांगिया ने कहा कि टीम ने अनुभव और युवा खिलाड़ियों का बेहतरीन मिश्रण तैयार किया है। उन्होंने एक आधिकारिक बयान में कहा,₹हम अपनी टीम से बेहद संतुष्ट हैं। हमारा लक्ष्य एक संतुलित और मजबूत टीम बनाना था और हमें विश्वास है कि यह टीम खिताब जीतने की क्षमता रखती है। मुख्य कोच विजय दहिया ने कहा कि नीलामी के दौरान ऐसे खिलाड़ियों का चयन किया गया है जो हर परिस्थिति में टीम के लिए योगदान दे सकें। उन्होंने कहा,₹हमारे पास बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों विभागों में गहराई है। अब हमारा पूरा ध्यान टीम को एकजुट कर टूर्नामेंट के लिए तैयार करने पर रहेगा। पुरानी दिल्ली-6 की टीम (डीपीएल सीजन-3) ललित यादव, उधव मोहन, राजनीश दादर, रोहन राणा, आर्यन गौर, वनम अग्रवाल, अजय अहलावत, कुश नागपाल, दिग्वेश राठी, युग गुप्ता, कबीर सचदेवा, गौरव सरोहा, देव लाकड़ा, अनुज रावत, समर्थ सेठ, मोहक कुमार, यश कुमार, पंकज जसवाल, हर्षवर्धन फोगाट, अर्जुन रेक्सवाल, लक्ष्य वर्मा, प्रिंस मिश्रा, अश्विनी चिल्लर, आदित्य वर्मा और आदित्य मल्होत्रा।

फीफा विश्व कप: टिलेमांस के दो गोल से बेल्जियम ने सेनेगल को हराया, अंतिम-16 में बनाई जगह

एजेंसी

सिएटल : यूरी टिलेमांस के दो गोलों की बदौलत बेल्जियम ने फीफा विश्व कप 2026 के राउंड ऑफ-32 मुकाबले में बुधवार को सेनेगल को 3-2 से हराकर रोमांचक अंदाज में अंतिम-16 में प्रवेश कर लिया।मुकाबले में सेनेगल ने शानदार शुरूआत करते हुए हबीब डियारा और इस्माइला सार के गोलों की मदद से 2-0 की बढ़त बना ली। एक समय ऐसा लग रहा था कि सेनेगल आसानी से अगले दौर में पहुंच जाएगा। हालांकि, बेल्जियम ने अंतिम मिनटों में शानदार वापसी की। 86वें मिनट में स्थानापन्न खिलाड़ी रोमेलु लुकाकू ने गोल कर अंतर 2-1 किया। इसके बाद 89वें मिनट में यूरी टिलेमांस ने बराबरी का गोल दागकर मुकाबले को अतिरिक्त समय (एक्स्ट्रा टाइम) में पहुंचा दिया। अतिरिक्त समय के 117वें मिनट में वीएआर (श्अफ) की मदद से बेल्जियम

को पेनाल्टी मिली। रिप्ले में सेनेगल के लामिन कामारा द्वारा टिलेमांस पर बॉक्स के अंदर किए गए फाउल की पुष्टि हुई। पेनाल्टी लेने आए टिलेमांस ने बिना कोई गलती किए गेंद को गोल में पहुंचाया और बेल्जियम को 3-2 की यादगार जीत दिला दी।इस जीत के साथ बेल्जियम ने फीफा विश्व कप 2026 के अंतिम-16 में जगह बना ली। अंतिम-16 में अब बेल्जियम का मुकाबला अमेरिका से होगा।

यामल पूरी तरह फिट, नॉकआउट मुकाबलों में पूरे 90 मिनट खेलने को तैयार : लुइस डे

एजेंसी

इंगलवुड (कैलिफोर्निया) : स्पेन के मुख्य कोच लुइस डे ला फुएंते ने बुधवार को कहा है कि युवा स्टार लामिन यामल अब पूरी तरह फिट हैं और फीफा विश्व कप 2026 के नॉकआउट मुकाबलों में जरूरत पड़ने पर पूरे 90 मिनट खेलने के लिए तैयार हैं। 18 वर्षीय बार्सिलोना विंगर हैमस्ट्रिंग चोट से उबरने के बाद विश्व कप के ग्रुप चरण में केवल 141 मिनट ही खेल सके और तीन मैचों में सिर्फ एक गोल किया। उनकी फिटनेस को ध्यान में रखते हुए स्पेन टीम प्रबंधन ने उनके खेलने के समय को सीमित रखा था।

ऑस्ट्रिया के खिलाफ राउंड ऑफ-32 मुकाबले से पहले पत्रकारों से बातचीत में डे ला फुएंते ने कहा कि यामल अब पूरी तरह स्वस्थ हैं।उन्होंने कहा, ₹लामिन जितना समय हम चाहेंगे, उतना खेलने के लिए तैयार हैं। हमने उनकी रिकवरी को लेकर सावधानी बरती थी, लेकिन अब वह पूरी तरह फिट हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि वह खुद भी मैदान पर उतरने के लिए बेहद उत्साहित हैं। कोच ने मुस्कुराते हुए कहा, ₹देखते हैं कि वह कल खेलते हैं या नहीं। यामल ने बार्सिलोना के लिए इस सीजन सभी प्रतियोगिताओं में 24 गोल और 17 असिस्ट किए थे, लेकिन अप्रैल में हैमस्ट्रिंग चोट के कारण ला लीगा के अंतिम छह मुकाबले नहीं खेल पाए थे। विश्व कप में उन्होंने केप वर्डे के खिलाफ पहले मैच में बतौर स्थानापन्न खिलाड़ी मैदान संभाला था। इसके बाद सऊदी अरब के खिलाफ अपने पहले शुरूआती मुकाबले में गोल किया और उरुग्वे के खिलाफ 76 मिनट तक खेले। स्पेन को अन्य खिलाड़ियों की फिटनेस से भी राहत स्पेन के लिए अन्य अच्छी खबर भी सामने आई है। विंगर येरेमी पिनो कंधे की चोट से उबर चुके हैं और ऑस्ट्रिया के खिलाफ चयन के लिए उपलब्ध रहेंगे। वहीं, लिवरपूल से जुड़े विंगर विक्टर मुनोज भी मांसपेशियों की चोट से उबर गए हैं, हालांकि लंबे समय बाद वापसी के कारण उनके खेलने पर अंतिम फैसला मैच की परिस्थितियों के अनुसार लिया जाएगा। निको विलियम्स अभी ऑस्ट्रिया के खिलाफ नहीं खेलेंगे, लेकिन उनकी ग्रोइन इंजरी में सुधार हुआ है और स्पेन यदि अगले दौर में पहुंचता है तो उनके उपलब्ध रहने की संभावना है। स्पेन ने विश्व कप 2026 के ग्रुप चरण में शानदार प्रदर्शन करते हुए लगातार तीन मैचों में एक भी गोल नहीं खाया और क्लीन शीट के साथ नॉकआउट में प्रवेश किया है। टीम गुरुवार को राउंड ऑफ-32 में ऑस्ट्रिया से भिड़ेगी।

'पेड पालकी' विवाद :

निर्देशक और लीड एक्ट्रेस ने सतेंद्र सोनी के आरोपों को बताया गलत, कहा- 'हमारे पास हर बात के सबूत हैं'

'पेड पालकी' को लेकर अभिनेता सतेंद्र सोनी और फिल्म की टीम के बीच शुरू हुआ विवाद नया मोड़ ले चुका है। पहले जहां सतेंद्र सोनी ने सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर कर फिल्म के निर्माता-निर्देशक पर मेहनताना नहीं देने, मानसिक प्रताड़ना और जान से मारने की धमकी देने जैसे गंभीर आरोप लगाए थे। अब फिल्म के निर्देशक पुष्पेंद्र सिंह और लीड एक्ट्रेस प्रगति चौहान ने सामने आकर सफाई दी है। दोनों ने बातचीत में सतेंद्र के सभी आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए दावा किया कि उनके साथ किसी तरह की मारपीट, बदसलूकी या गलत व्यवहार नहीं हुआ। उनका कहना है कि उनके पास अपनी बात साबित करने के लिए दस्तावेज और अन्य सबूत मौजूद हैं और वे इस मामले में कानूनी कार्रवाई भी करेंगे। बातचीत में निर्देशक पुष्पेंद्र सिंह ने कहा, 'सतेंद्र सोनी के सभी आरोप पूरी तरह गलत हैं। फिल्म की पूरी टीम ने उनको वही सम्मान और सुविधाएं दीं, जो किसी भी कलाकार को दी जाती हैं। फिल्म के लिए तय समझौते के अनुसार, सतेंद्र को पहले कुल भुगतान का 15 प्रतिशत एडवांस दिया जाना था। उनके हिस्से में 45 हजार रुपए बनते थे, लेकिन टीम ने उन्हें 50 हजार रुपए एडवांस दिए। बाकी रकम तय शर्तों और तय समय के अनुसार दी जानी थी।'' पुष्पेंद्र सिंह ने कहा, ''शूटिंग के चौथे और पांचवें दिन से सतेंद्र सोनी ने पूरी पेमेंट की मांग शुरू कर दी और कहा कि अगर उन्हें पूरा पैसा नहीं मिला तो वे शूटिंग नहीं करेंगे।

कोशिश की लेकिन नही बन पाई

● 'इक्का' से पहले 1993 में रिलीज हुई इस फिल्म का सीक्वल बनाना चाहते थे सनी देओल

इक्का के ट्रेलर लॉन्च के दौरान सनी देओल ने बताया कि दामिनी 2 बनाने की लंबे समय तक कोशिश हुई थी, लेकिन यह कभी बन नहीं पाई. साथ ही उन्होंने कोर्टरूम ड्रामा को अपना पसंदीदा जॉनर बताया. सनी देओल कोर्टरूम ड्रामा 'इक्का' के साथ दमदार वापसी करने के लिए तैयार हैं.

फिल्म के ट्रेलर लॉन्च इवेंट पर एक्टर ने दामिनी 2 को लेकर खुलासा किया. उन्होंने बताया कि एक समय दामिनी 2 बनाने की प्लानिंग थी. हालांकि सीक्वल कभी फ्लोर पर नहीं जा सका और प्रोजेक्ट अधूरा रह गया. सनी देओल ने इक्का के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में मीडिया संग बातचीत में कहा कि वह आमतौर पर अपनी फिल्मों की तारीफ नहीं करते, लेकिन कोर्टरूम ड्रामा हमेशा से उनका फेवरेट जॉनर रहा है. एक्टर ने कहा, 'दामिनी के बाद मुझे फिर कभी कोर्टरूम ड्रामा करने का मौका नहीं मिला. जैसे ही यह कहानी मेरे पास आई, मैं बहुत खुश था, क्योंकि हम काफी समय से दामिनी 2 बनाने की कोशिश कर रहे थे. आखिरकार दामिनी 2 बन ही नहीं पाई. ' इसके बाद सनी ने 'इक्का' में अक्षय खन्ना के साथ दोबारा काम करने का एक्सपीरियंस भी शेयर किया. जिसमें उन्होंने कहा, 'फिर मेरे पास इक्का आई और इसमें अक्षय खन्ना भी हैं, जिनके साथ मैंने बॉर्डर में काम किया था. वह हमारी साथ में पहली फिल्म थी.

22 साल बाद

अक्षय कुमार संग काम कर क्या बोलीं रवीना टंडन? सुन फैंस भी हो जाएंगे खुश

'वेलकम टू द जंगल' में अक्षय कुमार और रवीना टंडन की जोड़ी एक बार फिर बड़े पर्दे पर नजर आई है. करीब 22 साल बाद दोनों साथ दिखे हैं, इस बीच रवीना टंडन ने अक्षय कुमार के साथ दोबारा काम करने का अनुभव शेयर किया और उनकी जमकर तारीफ की. आइए आपको बताते हैं कि रवीना ने क्या कहा. रवीना टंडन ने कहा, 'इतने सालों बाद उनके साथ काम करना बहुत अच्छा लगा. उनमें कुछ भी नहीं बदला है. वह आज भी बेहद मेहनती और डेडिकेटेड हैं. वह अपने हर प्रोजेक्ट में पूरी तरह शामिल रहते हैं और सेट पर उनकी मेहनत साफ दिखाई देती है. उन्हें जो सफलता मिलती है, वह उसके पूरी तरह हकदार हैं क्योंकि वह उसके लिए बहुत मेहनत करते हैं. उन्हें कुछ भी आसानी से नहीं मिलता. सेट पर शायद ही कोई इतना डेडिकेटेड होगा जितने अक्षय कुमार हैं. '

'वेलकम टू द जंगल' में दिखी पुरानी केमिस्ट्री

'वेलकम टू द जंगल' 26 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी. इस फिल्म के जरिए अक्षय कुमार और रवीना टंडन की ऑनस्क्रीन जोड़ी ने दो दशक बाद वापसी की है. दोनों ने इससे पहले 'मोहरा' जैसी सुपरहिट फिल्म में साथ काम किया था. 'टिप टिप बरसा पानी' और 'तू चीज बड़ी है मस्त मस्त' जैसे गाने आज भी दर्शकों के बीच बेहद लोकप्रिय हैं.

14 साल पूरे होने पर भावुक हुए अनुराग सिंह, बोले-

कभी सोचा नहीं था 'जट्ट एंड जूलियट को इतना प्यार मिलेगा

पंजाबी सिनेमा की सबसे पसंद की जाने वाली फिल्मों में शामिल 'जट्ट एंड जूलियट' आज भी दर्शकों के दिलों में अपनी खास जगह बनाए हुए है। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर सफलता हासिल की। अब फिल्म की रिलीज के 14 साल पूरे होने पर इसके निर्देशक अनुराग सिंह ने शूटिंग के दिनों को याद किया और बताया कि उस समय उन्हें बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था कि यह फिल्म आगे चलकर इतनी बड़ी पहचान बना लेगी। अनुराग सिंह ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म की शूटिंग के दौरान की कुछ खास तस्वीरें पोस्ट कीं। इन तस्वीरों के जरिए उन्होंने पुराने दिनों की यादें ताजा कीं। इस पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने लिखा, 'मुझसे अक्सर पूछा जाता है कि क्या मुझे पहले से पता था कि 'जट्ट एंड जूलियट' इतनी बड़ी फिल्म बन जाएगी। इसका जवाब है- नहीं।' उन्होंने लिखा, ''उस समय मेरा पूरा ध्यान सिर्फ फिल्म की कहानी को अच्छे तरीके से पर्दे पर उतारने पर था, जिस पर हमें भरोसा था। पिछले 14 सालों में दर्शकों ने जिस तरह इस फिल्म को प्यार दिया, उसके लिए मैं हमेशा आभारी रहूंगा।'' साल 2011 में रिलीज हुई 'जट्ट एंड जूलियट' का निर्देशन अनुराग सिंह ने किया था। फिल्म का निर्माण दर्शन सिंह ग्रेवाल और गुनबीर सिंह सिद्धू ने किया था। रिलीज के बाद यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बड़ी हिट साबित हुई। फिल्म में दिलजीत दोसांझ ने फतेह सिंह का किरदार निभाया था, जबकि नीरू बाजवा पूजा के रोल में नजर आई थीं। दोनों की नोकझोंक, मजेदार बातचीत और बाद में प्यार में बदलता रिश्ता दर्शकों को बेहद पसंद आया। फिल्म में रोमांस के साथ कॉमेडी का भी शानदार मेल देखने को मिला। इसके अलावा उपासना सिंह, जसविंदर भल्ला, राणा रणबीर, करमजीत अनमोल, बी. एन. शर्मा और अनीता कैली जैसे कलाकारों ने शानदार एक्टिंग की। पहली फिल्म की जबरदस्त सफलता के बाद निर्माताओं ने साल 2013 में 'जट्ट एंड जूलियट 2' बनाई। इस फिल्म में भी दिलजीत दोसांझ और नीरू बाजवा की जोड़ी को बरकरार रखा गया। दूसरी फिल्म को भी दर्शकों का भरपूर प्यार मिला। इसके बाद साल 2024 में इस लोकप्रिय फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म 'जट्ट एंड जूलियट 3' भी रिलीज हुई, जिसने एक बार फिर दर्शकों का मनोरंजन किया।

खुशी से झूमीं कंगना रनौत

कंगना रनौत ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है। इसमें उन्होंने अपनी अपकमिंग फिल्म 'क्वीन 2' को लेकर एक अपडेट दी है। कंगना रनौत अपनी हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बहुत अच्छा नहीं कर सकी। इस बीच उनकी अपकमिंग फिल्म 'क्वीन 2' को लेकर नई अपडेट आई है। खबर है कि कंगना ने अपनी मशहूर फिल्म 'क्वीन' के बहुप्रतीक्षित सीक्वल 'क्वीन 2' की शूटिंग पूरी कर ली है। एक्टर-फिल्ममेकर ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर यह जानकारी दी। उन्होंने कास्ट और क्रू के साथ शूटिंग खत्म होने का जश्न मनाते हुए एक फोटो शेयर की। फोटो में रनौत को फिल्म की टीम के साथ देखा गया। शूटिंग पूरी होने के साथ ही, यह प्रोजेक्ट अब पोस्ट-प्रोडक्शन स्टेज में है। मेकर्स ने अभी तक इस फिल्म की आधिकारिक रिलीज डेट का एलान नहीं किया है। 'क्वीन 2' में कंगना रनौत के मशहूर किरदार 'रानी' की वापसी हो रही है। दर्शकों ने फिल्म 'क्वीन' को काफी प्यार दिया था। 2014 में रिलीज हुई ओरिजिनल 'क्वीन' का निर्देशन विकास बहल ने किया था और इसे समीक्षकों से खूब तारीफ मिली थी।

जम्मू-कश्मीर के उप राज्यपाल सिन्हा ने 4,822 अमरनाथ तीर्थयात्रियों के पहले जत्थे को किया रवाना

एजेंसी

जम्मू : श्री अमरनाथ वार्षिक यात्रा गुरुवार को औपचारिक रूप से शुरू हो गई। जम्मू-कश्मीर के उप राज्यपाल मनोज सिन्हा ने कड़े सुरक्षा इंतजामों के बीच जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से तीर्थयात्रियों के पहले जत्थे को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। अधिकारियों ने बताया कि कुल 4,822 तीर्थयात्री 259 गाड़ियों के काफिले में जम्मू से बालटाल और पहलगाम के दो बेस कैंपों के लिए रवाना हुए।इनमें से 2510 तीर्थयात्री पारंपरिक पहलगाम रास्ते से यात्रा कर रहे हैं, जबकि 2,312 ने छोटे बालटाल रास्ते को चुना है। पहले जत्थे में 3,707 पुरुष तीर्थयात्री, 816 महिला तीर्थयात्री, 16 बच्चे, 246 साधु और 37 साध्वियां शामिल हैं। काफिले में 106 बसें, 39 मध्यम मोटर वाहन, 111 हल्के मोटर वाहन और तीन दोपहिया वाहन शामिल हैं।अधिकारियों ने बताया कि बालटाल जाने वाला काफिला सुबह 6:10 बजे भगवती नगर से निकला और उसके बाद पहलगाम जाने वाला काफिला सुबह 6:35 बजे रवाना हुआ। दोनों काफिलों को कई स्तरों वाली सुरक्षा व्यवस्था के तहत सुरक्षा कर्मियों की निगरानी में ले जाया गया।उप राज्यपाल मनोज सिन्हा ने तीर्थयात्रियों को शुभकामनाएं दीं और कहा कि यात्रा को सुरक्षित, सुचारू और परेशानी-मुक्त बनाने के लिए व्यापक इंतजाम किए गए हैं। उन्होंने कहा कि यात्रियों के लिए पर्याप्त सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवा, साफ-सफाई, रहने की जगह और अन्य जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। उप राज्यपाल मनोज सिन्हा ने बुधवार को बाबा बर्फानी के तीर्थयात्रियों के स्वागत के लिए तवी आरती और लाइट एंड साउंड शो का उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि आस्था, अनुशासन और आध्यात्मिक जागृति की यह पवित्र यात्रा अनगिनत पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने देश भर के श्रद्धालुओं को इस आध्यात्मिक यात्रा में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि श्री अमरनाथ जी यात्रा लंबे समय से एक जीवंत सूत्र रही है, जो अलग-अलग भाषाओं, संस्कृतियों और परंपराओं के लोगों को आस्था के एक साझे ताने-बाने में पिरोती है।

उम्मीद है कि तीर्थयात्री दोपहर तक कश्मीर घाटी पहुंचेंगे और फिर बालटाल और नुनवान बेस कैंप जाएंगे, जहां से वे तय कार्यक्रम के अनुसार पवित्र गुफा मंदिर की आगे की यात्रा शुरू करेंगे।

मध्य प्रदेश में मानसून की रफ्तार तेज, आज 13 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

भोपाल : मध्य प्रदेश में मानसून लगातार आगे बढ़ रहा है। बुधवार को यह सागर और भोपाल संभाग के कई जिलों तक पहुंच गया। गुरुवार को मानसून के उज्जैन और ग्वालियर-चंबल संभाग के शेष हिस्सों में भी प्रवेश करने की संभावना है। इसके साथ ही प्रदेश के कई जिलों में भारी से अति भारी बारिश का दौर जारी रहने का अनुमान है। मौसम विभाग ने गुरुवार के लिए हरदा, नर्मदापुरम, रायसेन, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा और बालाघाट में अति भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में अगले 24 घंटे के दौरान 4 से 8 इंच तक बारिश होने की संभावना जताई गई है। वहीं अशोकनगर, देवास, खंडवा, बैतूल, सागर, मंडला और डिंडौरी में भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है। इसके अलावा भोपाल, सीहोर, राजगढ़, विदिशा, इंदौर, झाबुआ, अलीराजपुर, धार, बुरहानपुर, बड़वानी, खरगोन, उज्जैन, नीमच, मंदसौर, रतलाम, आगर-मालवा, शाजापुर, ग्वालियर, श्योपुर, मुरैना, भिंड, दतिया, शिवपुरी, गुना, जबलपुर, कटनी, नरसिंहपुर, सिवनी, रीवा, सतना, सीधी, सिंगरौली, मऊगंज, मैहर, शहडोल, उमरिया, अनूपपुर, पन्ना, दमोह, छतरपुर, टीकमगढ़ और निवाड़ी में तेज हवा के साथ बारिश की चेतावनी जारी की गई है। बुधवार को इंदौर के कई इलाकों में तेज बारिश हुई, जिससे वार्ड क्रमांक-80 में पानी दुकानों के भीतर तक पहुंच गया। शहर के कई हिस्सों में सड़कें जलमग्न हो गईं और लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ा।

न्यूज IN ब्रीफ

कांग्रेस अध्यक्ष ने पूर्वोत्तर राज्यों में बाढ़ पर जताई चिंता

नई दिल्ली : कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय और सिक्किम में आई भीषण बाढ़ और भूस्खलन को लेकर गहरी चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि इस आपदा ने कई लोगों की जान ले ली है और हजारों परिवारों को उजाड़ दिया है। खरगे ने प्रभावित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि पार्टी हर पीड़ित के साथ खड़ी है।खरगे ने एक्स पर लिखा कि एनडीए सरकारों के वादे और असम के 2016 के विजन डॉक्यूमेंट में किए गए बाढ़ मुक्त राज्य बनाने के वादे हवा हो गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि बाढ़ अब हर साल की नियमित त्रासदी बन चुकी है, लेकिन सरकार की तैयारी और दीर्घकालिक समाधान के प्रयास बेहद कम हैं। उन्होंने मांग की कि पीएम केयर्स फंड का तुरंत उपयोग कर प्रभावित परिवारों को पर्याप्त मुआवजा, व्यापक पुनर्वास और सतत राहत दी जाए। उन्होंने कहा कि देश अपनी सशस्त्र सेनाओं, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ टीमों पर गर्व करता है, जो लगातार राहत और बचाव कार्य में जुटी हैं। लेकिन इस मानवीय संकट के पैमाने को देखते हुए सरकार को और अधिक संसाधन, वित्तीय सहायता और अतिरिक्त कर्मियों को तैनात करना चाहिए ताकि बचाव कार्य तेज हो, क्षतिग्रस्त ढांचे का पुनर्निर्माण हो और कोई भी प्रभावित परिवार पीछे न छूटे। खरगे ने कांग्रेस नेताओं और कार्यकताओं से भी अपील की कि वे बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पीड़ितों की हर संभव मदद करें।

सावन माह में श्रद्धालुओं के लिए रोपवे सेवा के संचालन की पूरी संभावना - उपाध्यक्ष

वाराणसी : वाराणसी जिले में भारत का पहला अर्बन पब्लिक ट्रांसपोर्ट रोपवे की सावन माह के साथ ही अगस्त 2026 से शुरूआत होने की संभावना है। वाराणसी विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष पूर्ण बोरा ने बताया कि बाबा विश्वनाथ के श्रद्धालुओं को सावन माह में रोपवे सेवा का अनोखा आनंद मिल सकता है। रोपवे के संचालन के लिए सभी तैयारियां को पूरा कर लिया गया है। वाराणसी कैंट के रेलवे स्टेशन से गोदोलिया चौराहे तक करीब पांच किलोमीटर के बीच महात्मा गांधी विद्यापीठ, रथयात्रा, गिरजाघर के बीच रोपवे को चलता हुआ देखा जाएगा। उपाध्यक्ष ने गुरुवार को पत्रकारों से बातचीत में स्पष्ट किया कि रोपवे का किराया लोगों की बजट में तय किया गया है। एक स्टेशन से दूसरे स्टेशन तक रोपवे मात्र 10 रुपए में प्रति व्यक्ति को पहुंचाने का काम करेगा। वर्तमान समय में रोपवे का ट्रायल कराया गया है और जो अगस्त माह से पूरी तरह से सेवा के लिए तैयार है। सावन माह में रोपवे की शुरूआत होने से श्रद्धालुओं को सड़क पर लगने वाले जाम और ध्वनि प्रदूषण से राहत मिलेगी।

लेबर कैंप में लगी आग को बुझाया, कोई जनहानि नहीं

नोएडा : थाना बादलपुर क्षेत्र के कचैड़ा गांव में स्थित एक लेबर कैंप में बीती रात को गैस सिलेंडर के रिसाव के चलते भयंकर आग लग गई। मौके पर पहुंची दमकल विभाग की 6 गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई है। मुख्य दमकल अधिकारी प्रदीप कुमार चौबे ने बताया कि बुधवार की देर रात को फायर ब्रिगेड को सूचना मिली कि थाना बादलपुर क्षेत्र के ग्राम कचैड़ा में स्थित लेबर कैंप में आग लग गई है। सूचना पाकर मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की छह गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान पुलिस को पता चला है कि टीन सेड में बनी एक झोपड़ी में घरेलू गैस सिलेंडर फटने से आग लगी थी, जो धीरे-धीरे फैलकर पूरे लेबर कैंप तक पहुंच गई। उन्होंने बताया कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं है।

घरों से चोरी करने वाला शातिर बदमाश गिरफ्तार

नोएडा : थाना सेक्टर 126 पुलिस ने बीती रात को एक सूचना के आधार पर एक शातिर बदमाश को गिरफ्तार कर उसके पास से चोरी के साथ मोबाइल फोन, 6 लैपटॉप, एक आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, 12 हजार 500 रुपये नगद, घटना में प्रयुक्त होने वाली चोरी की मोटरसाइकिल आदि बरामद किया है। अपर पुलिस उपायुक्त जोन प्रथम मनीषा सिंह ने गुरुवार को बताया कि बुधवार की बीती रात को एक सूचना के आधार पर थाना सेक्टर 126 पुलिस ने विश टाउन सोसाइटी के पास से तमिलनाडु निवासी बालन गोविंदन, को गिरफ्तार किया है। उसके पास से पुलिस ने चोरी के सात मोबाइल फोन, 6 लैपटॉप, एक आधार कार्ड, एक ड्राइविंग लाइसेंस, घटना में प्रयुक्त चोरी की मोटरसाइकिल आदि बरामद किया है। उन्होंने बताया कि बदमाश चोरी के समान को बेचने के लिए आया था, तभी पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। आरोपित ने पूछताछ के दौरान पुलिस को बताया है कि वह एनसीआर क्षेत्र के पीजी और घरों से मोबाइल फोन और लैपटॉप चोरी करता है। उसके कुछ साथी फरार हैं, जिनकी पुलिस तलाश कर रही है।

आईआईएम नया रायपुर में शासन व्यवस्था को और मजबूत करने होगा दो दिवसीय चिंतन शिविर

रायपुर : छत्तीसगढ़ में शासन व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए एक बड़ा कदम उठाया जा रहा है। छत्तीसगढ़ की साय सरकार द्वारा नवा रायपुर स्थित आईआईएम रायपुर में आगामी 4 और 5 जुलाई को दिवसीय आवासीय 'चिंतन शिविर 3.0' आयोजित किया जाएगा । मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के साथ राज्य का पूरा मंत्रिमंडल इस मंथन में शामिल होगा। इस शिविर में तकनीकी नवाचार और विकास प्रशासन पर विस्तृत चर्चा की जाएगी , ताकि बदलते तकनीकी परिवेश के अनुरूप शासन को और प्रभावी बनाया जा सके। इसका मुख्य उद्देश्य मंत्रियों की प्रशासनिक कार्यप्रणाली को अधिक दक्ष, आधुनिक और जनकेंद्रित बनाना है। शिविर के दौरान नीति निर्माण, सुशासन, तकनीकी नवाचार, और राज्य के विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर देश के प्रतिष्ठित विशेषज्ञ मंत्रियों का मार्गदर्शन करेंगे।दो दिनों तक चलने वाले इस शिविर में सरकार की अब तक की उपलब्धियों, चुनौतियों और भविष्य की प्राथमिकताओं की समीक्षा की जाएगी। साथ ही, विभागों के बीच बेहतर तालमेल और योजनाओं को जमीन पर सही तरीके से लागू करने पर फोकस रहेगा। विशेषज्ञों से संवाद के जरिए मंत्रियों को नेतृत्व क्षमता और परिणाम आधारित कार्यशैली का प्रशिक्षण भी मिलेगा, जिससे प्रदेश के विकास के लिए एक नया रोडमैप तैयार किया जा सके।

पुलिस प्रशासन की चौकसी के बीच उत्तर प्रदेश में शुरू हुई टीईटी परीक्षा

देवरिया : देवरिया जनपद समेत पूरे प्रदेश में उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा (यूपी टीईटी) गुरुवार से कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शुरू हो गई। देवरिया जनपद में 12 परीक्षा केंद्रों पर यह परीक्षा आयोजित हो रही है। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग, प्रयागराज द्वारा आयोजित शिक्षक पात्रता परीक्षा (यूपीटीईटी-2026) की लिखित परीक्षा 02 व 03 जुलाई 2026 को दो-दो पॉलियों तथा 04 जुलाई 2026 को एक पॉली, इस प्रकार कुल 05 पॉलियों में प्रदेश के 60 जनपदों में 955 परीक्षा केंद्रों पर संपन्न होगी।

बंगाल की खाड़ी में बन रहा गहरा निम्न दबाव, चार से आठ जुलाई तक दक्षिण बंगाल में भारी बारिश की चेतावनी

एजेंसी

कोलकाता : मौसम विभाग ने दक्षिण बंगाल के लिए अगले कुछ दिनों में भारी से अति भारी वर्षा की चेतावनी जारी की है। विभाग के अनुसार, तीन जुलाई को बंगाल की खाड़ी में एक मजबूत निम्न दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है, जिसके प्रभाव से चार से आठ जुलाई के बीच दक्षिण बंगाल के कई जिलों में व्यापक वर्षा, आंधी और वज्रपात हो सकता है। तटीय जिलों के लिए विशेष सतर्कता जारी की गई है, जबकि समुद्र में ऊंची लहरों की आशंका को देखते हुए मछुआरों को भी सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। गुरुवार सुबह से कोलकाता का आकाश आंशिक रूप से बादलों से ढका रहा। शहर में गुरुवार और शुक्रवार को हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग ने बताया कि फिलहाल मौसम में किसी बड़े बदलाव के आसार नहीं हैं और शहर के लिए भारी वर्षा की ऑरेंज चेतावनी जारी की गई है। गुरुवार को कोलकाता का न्यूनतम तापमान 27.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 0.6 डिग्री सेल्सियस अधिक है। वहीं अधिकतम तापमान 31.1 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है, जो सामान्य से 1.5 डिग्री सेल्सियस कम है। मौसम विभाग के अनुसार, गुरुवार और शुक्रवार को दक्षिण बंगाल में वर्षा की तीव्रता अपेक्षाकृत कम रहेगी, जिससे उमस बनी रह सकती है। हालांकि, सप्ताहांत से निम्न दबाव के प्रभाव में मौसम तेजी से बदलेगा और गंगा के मैदानी दक्षिण बंगाल के कई जिलों में भारी से अति भारी बारिश के साथ तेज हवाएं और वज्रपात होने की संभावना है। उत्तर बंगाल के लिए फिलहाल किसी विशेष मौसम चेतावनी की घोषणा नहीं की गई है। मौसम विभाग के अनुसार, क्षेत्र में हल्की से मध्यम बारिश का सिलसिला जारी रहेगा, लेकिन फिलहाल किसी बड़े मौसमीय खतरे की आशंका नहीं है।

छत्तीसगढ़ उच्च शिक्षा विभाग ने सरकारी कॉलेजों में 700 पदों पर सीधी भर्ती की प्रक्रिया को दी हरी झंडी

एजेंसी

रायपुर : छत्तीसगढ़ उच्च शिक्षा विभाग ने सरकारी कॉलेजों में 700 पदों पर सीधी भर्ती की प्रक्रिया को हरी झंडी दे दी है। रायपुर में आयोजित उच्च शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक में यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया गयाइस भर्ती का प्रस्ताव छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग को भेज दिया गया है और जल्द ही विस्तृत नोटिफिकेशन जारी किया जाएगा । राज्य के उच्च शिक्षा विभाग को नया कलेवर देने और सालों से अटके प्रशासनिक मामलों को सुलझाने के लिए बीते देर शाम तक उच्च शिक्षा मंत्री टंकराम वर्मा की अध्यक्षता में मंत्रालय में उच्च शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। इस बैठक में कई महत्वपूर्ण और दूरगामी फैसले लिए गए। बैठक में सबसे बड़ा और अहम फैसला लेते हुए मंत्री टंकराम वर्मा ने सहायक प्राध्यापक के 700 रिक्त पदों पर अविलंब भर्ती प्रक्रिया शुरू करने की हरी झंडी दे दी है। उन्होंने अधिकारियों को हिदायत दी है कि इस पूरी प्रक्रिया में किसी भी स्तर पर कोई रुकावट या ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसके साथ ही, विभाग के अन्य खाली पदों को भरने के लिए भी शासन को तत्काल नया प्रस्ताव भेजने का मार्ग प्रशस्त कर दिया गया है। महाविद्यालयों में प्रशासनिक कसावट लाने के लिए उच्च शिक्षा मंत्री ने अधिकारियों की जमकर क्लास ली। उन्होंने निर्देश दिया कि 31 जुलाई 2026 तक स्नातक प्राचार्यों की पदोन्नति का काम हर हाल में पूरा हो जाना चाहिए। नए शिक्षा सत्र में छत्तीसगढ़ का कोई भी स्नातक कॉलेज बिना नियमित प्राचार्य के नहीं रहेगा।प्राध्यापकों और विभागीय कर्मचारियों के मनोबल को बढ़ाने के लिए बैठक में कई संवेदनशील निर्णय लिए गए। वर्ष 2019 से पहले के बचे हुए सहायक प्राध्यापकों को 1990 के नियमों के तहत ही प्राध्यापक पद पर प्रमोट किया जाएगा, जिससे उनकी वरिष्ठता सुरक्षित रहेगी। सहायक प्राध्यापकों के वरिष्ठ और प्रवर श्रेणी वेतनमान की सूचियां जल्द ही जारी करने के निर्देश दिए गए हैं। अतिथि प्राध्यापकों की जायज मांगों को ध्यान में रखते हुए, उनकी सेवा शर्तों में सुधार के लिए बनाई गई कमेटी की रिपोर्ट पर सरकार तुरंत एक्शन लेने जा रही है। कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में सहायक ग्रेड-3 और चतुर्थ श्रेणी के पदों पर नियुक्तियां अब ह्यराज्य कर्मचारी चयन आयोगह्ण के माध्यम से पूरी पारदर्शिता के साथ की जाएंगी। राज्य सरकार ने छत्तीसगढ़ के सुदूर वनांचल और ग्रामीण क्षेत्रों के होनहारों के लिए एक अनोखी पहल की है। अब महाविद्यालयों में ह्ल90 घंटे, 90 दिनह्व का विशेष अंग्रेजी संप्रेषण कोर्स चलाया जाएगा। इसके साथ ही पूरे प्रदेश में शासन के शैक्षणिक कैलेंडर का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाएगा। बजट प्रबंधन को लेकर मंत्री वर्मा ने वित्तीय शुचिता का संदेश देते हुए कहा कि विभाग में किसी भी प्रकार की वित्तीय गड़बड़ी या लापरवाही के लिए कोई जगह नहीं है। अब किसी भी कॉलेज को बजट जारी करने से पहले प्रशासनिक अनुमोदन लेना अनिवार्य होगा।

हेलीकॉप्टर परिचालन के लिए प्राइवेट प्वाइंट-इन-स्पेस इंस्ट्रूमेंट अप्रोच प्रक्रिया को मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली : हेलीकॉप्टर परिचालन के लिए देश की प्रथम प्राइवेट प्वाइंट-इन-स्पेस (पिनएस) इंस्ट्रूमेंट अप्रोच प्रक्रिया को मंजूरी मिलने के साथ ही भारत ने विमानन क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल कर ली है। इससे दूरस्थ, दुर्गम एवं रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण क्षेत्रों में हेलीकॉप्टर परिचालन अधिक सुरक्षित होगा।

नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने बुधवार रात घोषणा की कि देश की प्रथम प्राइवेट प्वाइंट-इन-स्पेस (पिनएस) इंस्ट्रूमेंट अप्रोच प्रक्रिया को उंडावल्ली हेलीपोर्ट पर हेलीकॉप्टर परिचालन के लिए मंजूरी प्रदान कर दी गई है।भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) द्वारा विकसित तथा नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) द्वारा अनुमोदित यह प्वाइंट-इन-स्पेस प्रक्रिया डीजीसीए के विनियमों तथा अंतरराष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन (आईसीएओ) के मानकों एवं अनुशंसित प्रथाओं के अनुरूप तैयार की गई है। नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू पिनएस इंस्ट्रूमेंट अप्रोच प्रक्रिया को लागू करने की पहल के बारे में कहा, ₹भारत की पहली पिनएस इंस्ट्रूमेंट अप्रोच प्रक्रिया की शुरूआत हेलीकॉप्टर परिचालन के क्षेत्र में एक नए युग का आरंभ है। इससे उड़ान सुरक्षा, परिचालन दक्षता तथा हर तरह के मौसम में सुगम्यता की क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।उन्होंने कहा कि पिछले सप्ताह ही हमने एक वाणिज्यिक विमान द्वारा देश के पहले स्वदेशी गगन -आधारित प्रिसिजन अप्रोच का सफल प्रदर्शन किया है। देश की पहली प्वाइंट-इन-स्पेस (पिनएस) इंस्ट्रूमेंट अप्रोच प्रक्रिया की शुरूआत इस यात्रा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह उपलब्धि सरकार के उस विजन को और सुदृढ़ करती है, जिसके तहत परफॉर्मेंस-बेस्ड नेविगेशन (पीबीएन) के माध्यम से विमानन अवसंरचना का आधुनिकीकरण, स्वदेशी उपग्रह-आधारित नेविगेशन प्रौद्योगिकियों के उपयोग का विस्तार तथा भारत के विमानन इकोसिस्टम को वैश्विक सर्वोत्तम मानकों के अनुरूप विकसित करने पर विशेष बल दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता देशभर में हेलीकॉप्टर परिचालन को अधिक विश्वसनीय और सुलभ बनाने के लिए आधुनिक प्रौद्योगिकियों को अपनाना है। हमारा संकल्प भारत में प्रौद्योगिकी-संचालित तथा वैश्विक मानकों के अनुरूप हेलीकॉप्टर पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करना है। नायडू ने कहा, हाल ही में हमने उन्नत तकनीकी अवसंरचना के सहयोग से इस वर्ष की चारधाम हेलीकॉप्टर सेवा के प्रथम चरण का बिना किसी घटना के सफलतापूर्वक संचालन पूरा किया है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने कहा कि इस मंजूरी से देशभर में इसी प्रकार की प्वाइंट-इन-स्पेस प्रक्रियाओं के विकास का मार्ग प्रशस्त होने की उम्मीद है।

छत्तीसगढ़ के कलाकारों को मिलेगा बड़ा मंच, आवेदन 15 जुलाई तक

एजेंसी

रायपुर : छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं को नई पहचान देने और लोक एवं शास्त्रीय कलाओं को व्यापक मंच उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संचालनालय संस्कृति एवं राजभाषा, छत्तीसगढ़ ने वर्ष 2026-27 के वार्षिक सांस्कृतिक आयोजनों के लिए कलाकारों एवं सांस्कृतिक दलों से आवेदन आमंत्रित किए हैं।विभाग द्वारा आयोजित इन प्रतिष्ठित आयोजनों के माध्यम से प्रदेश के प्रतिभाशाली कलाकारों को अपनी कला का प्रदर्शन करने का अवसर मिलेगा, वहीं विलुप्त होती लोक परंपराओं के संरक्षण और संवर्धन को भी नई गति मिलेगी।संस्कृति विभाग प्रतिवर्ष प्रदेशभर में विभिन्न सांस्कृतिक आयोजनों का आयोजन करता है, जिनमें शास्त्रीय संगीत, शास्त्रीय नृत्य, लोकसंगीत, लोकनृत्य, नाट्य प्रस्तुतियां तथा पारंपरिक वाद्ययंत्रों की प्रस्तुतियां शामिल रहती हैं। इसी क्रम में वर्ष 2026-27 के लिए पावस प्रसंग (शास्त्रीय संगीत एवं नृत्य), रंगतरंग वाद्ययंत्र संगम, रंगपरब नाट्य श्रृंखला तथा लोकरंग पर्व के लिए कलाकारों का चयन किया जाएगा।विशेष रूप से लोकरंग पर्व के अंतर्गत छत्तीसगढ़ की पारंपरिक लोककलाओं एवं लोकविधाओं से जुड़े कलाकारों को प्राथमिकता दी जाएगी। इसके लिए भरथरी, पंडवानी, ढोलामारू, लोरिकचंदा, नाचा, गम्मत, सुआ, करमा, पंथी, बांसगीत, देवारगीत, ददरिया, जसगीत, संस्कार गायन सहित अन्य पारंपरिक लोकविधाओं में दक्ष कलाकार आवेदन कर सकते हैं। इन आयोजनों का उद्देश्य प्रदेश की लोक-सांस्कृतिक धरोहर को नई पीढ़ी तक पहुंचाना और कलाकारों को सशक्त मंच उपलब्ध कराना है। आवेदन करने वाले कलाकारों एवं सांस्कृतिक दलों का चिन्हारी पंजीकरण होना आवश्यक है तथा समूह प्रस्तुति के इच्छुक कलाकार निर्धारित प्रारूप में आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। आवेदन संचालनालय संस्कृति एवं राजभाषा, द्वितीय तल, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल व्यवसायिक परिसर, सेक्टर-27, नवा रायपुर स्थित कार्यालय में जमा किए जा सकते हैं।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

एजेंसी

नई दिल्ली : ग्लोबल मार्केट से आज मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एशियाई बाजार में भी आज मिला-जुला कारोबार हो रहा है। अमेरिका में पिछले सत्र के दौरान टेक्नोलॉजी स्टॉक्स में आई जबरदस्त कमजोरी के कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांकों पर दबाव बढ़ गया। डाउ जॉन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 0.03 प्रतिशत गिर कर 52,305.24 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह एस एंड पी 500 इंडेक्स ने 0.22 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 7,483.23 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 173.69 अंक यानी 0.66 प्रतिशत टूट कर 26,040.03 अंक के स्तर पर बंद हुआ। वहीं डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 0.11 प्रतिशत की मजबूती के साथ 52,364.67 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार होता रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.18 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 10,478.34 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.80 प्रतिशत लुढक कर 8,337.29 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके विपरीत डीएएक्स इंडेक्स 0.18 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,040.28 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में आज मिला-जुला कारोबार हो रहा है। एशिया के नौ बाजार में से पांच के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि चार सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। निक्केई इंडेक्स 995.96 अंक यानी 1.43 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 69,479 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 431.62 अंक यानी 0.93 प्रतिशत फिसल कर 46,587.37 अंक के स्तर पर आ गया है। कोस्पी इंडेक्स में आज जबरदस्त गिरावट का रुख बना हुआ है। फिलहाल यह सूचकांक 359.97 अंक यानी 4.53 प्रतिशत लुढ़क कर 7,943.44 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.91 प्रतिशत टूट कर 4,075.31 अंक के स्तर पर आ गया है। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 144.50 अंक यानी 0.60 प्रतिशत की मजबूती के साथ 24,188.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.34 प्रतिशत उछल कर 5,179.06 अंक के स्तर पर आ गया है। जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स में आज जोरदार तेजी नजर आ रही है। फिलहाल यह सूचकांक 100.33 अंक यानी 1.73 प्रतिशत की छलांग लगाकर 5,795.45 अंक के स्तर पर आ गया है। इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 257.98 अंक यानी 1.11 प्रतिशत की बढ़त के साथ 23,139 अंक के स्तर पर आया हुआ है।

न्यूज IN ब्रीफ

झारखंड के प्रख्यात चिकित्सक डॉ अमित कुमार को चिकित्सक दिवस पर झारखंड के वरीय पत्रकार ने किया सम्मानित

ज्योति पाठक : चिकित्सक भगवान के दूसरे स्वरूप हैं तथा लोगों के लिए जीवनदाता भी उक्त बातें झारखंड के वरीय पत्रकार विनय मिश्रा ने डॉ अमित कुमार को सम्मानित करते हुए कही। डॉ अमित कुमार को चिकित्सा के क्षेत्र में उनके योगदान और उत्कृष्ट सेवा के लिए उन्हें सम्मानित किया गया। झारखंड के वरीय पत्रकार विनय मिश्रा ने कहा कि डॉ कुमार चिकित्सा जगत के गौरव हैं और इनकी चिकित्सा काफी बेहतर और प्रशंसनीय है तथा झारखंड राज्य के विभिन्न जिलों और दूर दराज क्षेत्रों से भी लोग चिकित्सा के लिए इनके पास आते हैं।

भीषण आग से हार्डवेयर दुकान जलकर खाक

मेदिनीनगर : सतबरवा थाना क्षेत्र के पोलपोल बाजार में आहार के समीप बुधवार रात भीषण आग लगने से हार्डवेयर दुकान पूरी तरह जलकर राख हो गई। आग की चपेट में आने से हार्डवेयर, सैनिटरी सामग्री, सीमेंट समेत दुकान में रखा अधिकांश सामान नष्ट हो गया। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार घटना में करीब 50 से 60 लाख रुपये की संपत्ति का नुकसान हुआ है। दुकान संचालक नागेंद्र विश्वकर्मा ने बताया कि खराब मौसम के कारण उन्होंने बुधवार शाम सामान्य दिनों से पहले ही दुकान बंद कर घर चले गए थे। रात करीब नौ बजे स्थानीय लोगों ने फोन कर दुकान में आग लगने की सूचना दी। जब तक वह मौके पर पहुंचे, आग पूरी दुकान में फैल चुकी थी। स्थानीय लोगों ने अपने स्तर पर आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन दुकान में बड़ी मात्रा में रखा सामान होने के कारण आग तेजी से फैलती गई। सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और कई घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि तब तक पूरी दुकान जल चुकी थी। दुकान के ऊपरी हिस्से में हार्डवेयर और सैनिटरी सामग्री रखी गई थी, जबकि अंडरग्राउंड गोदाम में सीमेंट समेत अन्य सामान का भंडारण था। आग में पूरा स्टॉक जलकर नष्ट हो गया।आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है।

घटना की सूचना पर सतबरवा थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची। सतबरवा थाना प्रभारी प्रदीप कुमार ने बताया कि पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी है।आग लगने के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा रहा है।

बाबाधाम में निर्माण को लेकर विवाद: निकासी द्वार के चौड़ीकरण पर पंडा धर्म रक्षिणी सभा का विरोध

देवघर: विश्व प्रसिद्ध बाबा बैद्यनाथ धाम करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र होने के साथ-साथ झारखंड की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर भी है। सदियों पुराने इस मंदिर की मूल संरचना और परंपराओं को सुरक्षित रखने के लिए यहां किसी भी निर्माण कार्य से पहले निर्धारित नियमों का पालन किया जाता है। संबंधित समितियों और श्राइन बोर्ड की सहमति के बाद ही किसी निर्माण को मंजूरी मिलती है। इसी बीच बाबा मंदिर के निकासी द्वार के कथित चौड़ीकरण को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है। मंदिर प्रबंधन के प्रमुख संगठन पंडा धर्म रक्षिणी सभा ने जिला प्रशासन पर नियमों की अनदेखी करने का आरोप लगाते हुए निर्माण कार्य पर गंभीर सवाल उठाए हैं। सभा के अध्यक्ष सुरेश भारद्वाज ने कहा कि मंदिर परिसर में किसी भी प्रकार के निर्माण से पहले पंडा धर्म रक्षिणी सभा से कोई चर्चा नहीं की गई। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासन श्रद्धालुओं की सुविधा के नाम पर निकासी द्वार को चौड़ा करने का प्रयास कर रहा है, जो न केवल मंदिर की परंपराओं के विरुद्ध है, बल्कि सदियों से चली आ रही धार्मिक मान्यताओं को भी प्रभावित करेगा।

सभा के सदस्यों का कहना है कि यदि यह निर्माण हुआ तो प्राचीन गंवाली पूजा की परंपरा पर प्रतिकूल असर पड़ेगा। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि निर्माण कार्य नहीं रोका गया तो वे पूरे मामले की शिकायत रांची जाकर राज्य के मुख्यमंत्री से करेंगे।

वहीं, जिला प्रशासन ने इन सभी आरोपों को पूरी तरह निराधार बताया है। एसडीएम सह बाबा मंदिर प्रभारी रवि कुमार ने स्पष्ट किया कि मंदिर के निकासी द्वार का कोई चौड़ीकरण नहीं किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मंदिर के बाहर स्थित एक जर्जर शेड की मरम्मत और पुनर्निर्माण का कार्य किया जा रहा है ताकि आगामी श्रावणी मेले के दौरान श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा मिल सके। रवि कुमार ने कहा कि कुछ लोग गलतफहमी के कारण इसे निकासी द्वार के विस्तार का मामला बता रहे हैं, जबकि मंदिर की मूल संरचना या उसकी ऐतिहासिक आकृति के साथ किसी भी प्रकार की कोई छेड़छाड़ नहीं की जा रही है। प्रशासन का दावा है कि सभी कार्य नियमानुसार और श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखकर किए जा रहे हैं।बाबा बैद्यनाथ धाम का संचालन श्राइन बोर्ड के अधीन होता है, जिसके अध्यक्ष झारखंड के मुख्यमंत्री होते हैं। मंदिर परिसर में किसी भी निर्माण कार्य के लिए श्राइन बोर्ड की स्वीकृति आवश्यक होती है। ऐसे में श्राइन बोर्ड से जुड़े प्रमुख संगठन पंडा धर्म रक्षिणी सभा के विरोध ने इस पूरे मामले को और संवेदनशील बना दिया है। संगठन के विरोध के बाद फिलहाल निर्माण कार्य रोक दिया गया है, हालांकि प्रशासन की ओर से इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

रोटरी क्लब फेमिना ने नए रोटरी वर्ष का किया स्वागत

जमशेदपुर : रोटरी क्लब फेमिना ने नए रोटरी वर्ष 2026-27 की शुरूआत सेवा और सामाजिक सरोकारों से जुड़े तीन परियोजनाओं के साथ की। कार्यक्रम की शुरूआत आदित्यपुर स्थित एक फार्म हाउस में पौधरोपण अभियान से हुई। क्लब की सदस्यों ने अमरूद, जामुन, आम सहित विभिन्न प्रजातियों के 50 फलदार पौधे लगाए तथा उनके संरक्षण का संकल्प लिया। इस अवसर पर अध्यक्ष कंचन प्रसाद ने कहा कि वृक्ष केवल पर्यावरण को संतुलित नहीं रखते, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और स्वस्थ जीवन भी प्रदान करते हैं। प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल अवश्य करनी चाहिए।

पहली बारिश में ही खुली मेदिनीनगर नगर निगम के दावों की पोल, सड़क पर बहा नालियों का गंदा पानी

वार्ड नंबर 3 में निर्माण कार्य के कारण नाली जाम; स्कूली बच्चों और राहगीरों को हो रही भारी परेशानी

मेट्रोरेज संवाददाता

मेदिनीनगर: मानसून की पहली बारिश ने ही मेदिनीनगर नगर निगम की जल निकासी व्यवस्था की पोल खोल कर रख दी है। क्षेत्र के क्षत्रिय नगर (गली नंबर-1, वार्ड नंबर-3अ) में पहली ही बारिश के बाद नालियों का गंदा पानी उफान मारकर मुख्य सड़कों पर बहने लगा है, जिससे पूरा इलाका जलमग्न हो गया है।

मकान निर्माण के चक्कर में नाली को किया जाम

स्थानीय निवासियों से मिली जानकारी के अनुसार, वार्ड नंबर 3 में एक नए मकान का निर्माण कार्य चल रहा है। निर्माण के दौरान घोर लापरवाही बरतते हुए मुख्य नाली को पूरी तरह से जाम कर दिया गया है। इसके परिणामस्वरूप, बारिश का पानी नाली से आगे बढ़ने के बजाय बैक मारकर पूरी सड़क पर फैल गया।

राहगीर और स्कूली बच्चे बेहाल

सड़कों पर गंदे पानी और कीचड़ का साम्राज्य होने के कारण आने-जाने वाले राहगीरों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। सबसे ज्यादा परेशानी स्कूल जाने वाले छोटे बच्चों को हो रही है, जिन्हें इसी गंदे पानी के बीच से होकर गुजरना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस गैर-जिम्मेदाराना निर्माण कार्य की वजह से पूरे मोहल्ले की स्थिति नारकीय बन गई है।

दोषियों पर कार्रवाई की मांग

स्थानीय निवासियों का कहना है:

₹लोग अपने निजी निर्माण के चक्कर में सार्वजनिक संपत्तियों और नालियों को बंद कर देते हैं, जिससे पूरे इलाके को भुगतना पड़ता है। नगर निगम को ऐसे लापरवाह लोगों को चिन्हित कर उनके खिलाफ सख्त कानूनी और दंडात्मक कार्रवाई करनी चाहिए, ताकि भविष्य में कोई भी इस तरह नालियों को बाधित न कर सके। फिलहाल, इस जलजमाव के कारण स्थानीय लोगों में नगर निगम के प्रति गहरा असंतोष है। अब देखना यह है कि निगम प्रशासन इस समस्या पर कितनी जल्दी संज्ञान लेता है और बंद पड़ी नाली को कब तक साफ कराया जाता है।

जपला आरपीएफ ने गरीब रथ एक्सप्रेस से 148 लीटर देशी शराब किया जब्त

मेट्रोरेज संवाददाता

मेदिनीनगर : पूर्व मध्य रेलवे के डीडीयू मंडल अंतर्गत जपला रेलवे सुरक्षा बल ने 'ऑपरेशन सतर्क' के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए एक ट्रेन से भारी मात्रा में अवैध देशी शराब बरामद की है। आरपीएफ ने लावारिस हालत में ले जाई जा रही कुल 148 लीटर झारखंड निर्मित देशी शराब जब्त की है, जिसकी अनुमानित कीमत ₹29,025 आंकी गई है।

आरपीएफ के अनुसार, वरीय मंडल सुरक्षा आयुक्त (डीडीयू) के निर्देशन में उप निरीक्षक रामनरेश राम, सहायक उप निरीक्षक उमाकांत राम और टीम जपला स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या-03 पर गश्त और चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान गाड़ी संख्या-12877 अप (रांची-आनंद विहार) गरीब रथ एक्सप्रेस आकर रुकी।

ट्रेन के कोच संख्या ऋ6 (एए-212510) के गेट के पास चेकिंग के दौरान पांच लावारिस प्लास्टिक के बोरे मिले। यात्रियों से पूछताछ में जब किसी ने दावा नहीं किया, तो संदेह होने पर गवाहों के समक्ष बोरों को खोलकर तलाशी ली गई। बोरों से झारखंड निर्मित कैप्टन, टनाका और रॉयल झारखंड ब्रांड की कुल 645 प्लास्टिक बोतलें (कुल 148 लीटर) बरामद हुईं। मौके पर ही जब्ती सूची बनाकर शराब को जब्त कर लिया गया। आरपीएफ ने बताया कि बरामद शराब को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए उत्पाद विभाग डाल्टनगंज (पलामू) को सुपुर्द किया जा रहा है।

अंतरराज्यीय साइबर ठग गिरोह का भंडाफोड़,नौ गिरफ्तार

धनबाद : साइबर ठगी के अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ हुआ है। धनबाद साइबर थाना की पुलिस टीम ने छापेमारी कर सरायढेला के होटल न्यू हरि-इन के कमरा नंबर 103 और 108 से नौ साइबर ठगों को दबोचा। आरोपियों में झारखंड के अलग-अलग जिलों के साथ-साथ बिहार के पटना, भागलपुर, आरा के अलावा ओडिशा के खुर्दा के ठग भी शामिल हैं। उनके पास से पुलिस ने 17-17 एटीएम और मोबाइल सिम के अलावा 12 सिम कार्ड सहित 50 हजार रुपए नगद जब्त किए गए हैं। बुधवार को डीएसपी सीसीआर सह साइबर डीएसपी प्रदीप कुमार साव ने बताया कि सभी अपराधी आइन लाइन गेमिंग के माध्यम से भारतीय मुद्रा को विदेशों में भेज रहे थे। इससे देश की अर्थव्यवस्था प्रभावित हो रही थी। आइनलाइन गेमिंग सरगना तक पहुंचने के लिए साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। पुलिस ने कई लोगों को चिन्हित किया है। उनका सत्यापन चल रहा है। छापेमारी में साइबर थाना प्रभारी रामजी राय, इंस्पेक्टर विष्णु कुमार गोस्वामी, इंस्पेक्टर पंकज कुमार, एसआई प्रभुनाथ प्रसाद, गौरव कुमार, गिरधर गोपाल व अंजन मंडल के अलावा सिटी हॉक्स की टीम शामिल थीं।

जिनकी गिरफ्तारी हुई है उनमें निरसा जोगीतोपा निवासी रोहित दॉ, बिहार आरा के बभनोली निवासी आशीष कुमार, ओडिशा खुर्दा टांगी निवासी चंद्रकांत परिदा, कुमारधुबी शिवलीबाड़ी के महफूज आलम, पाथरडीह रानीबमिया अमडंडा के मिथिलेश ठाकुर, पटना राघोपुर बिहटा के आबिद आलम, भागलपुर बेलडीहा सोनाखर के आशुतोष कुमार आनंद, पटना बिहटा लई के मंजर शेख, गोड्डा बिसंभरचक के गुफरान शामिल हैं। पुलिस की जांच में पता चला है कि यह गिरोह लोगों के दस्तावेजों को एकत्रित कर बैंक खाते खुलवाते थे।

दुर्गा मंदिर से लाखों के सोने-चांदी के आभूषण चोरी, मामला कैमरे में कैद

मेट्रोरेज संवाददाता

मेदिनीनगर : हुसैनाबाद शहर के जपला रेलवे स्टेशन रोड स्थित माँ दुर्गा मंदिर में बीती रात चोर ने बड़ी चोरी की घटना को अंजाम दिया। चोर मंदिर में स्थापित माँ दुर्गा, माँ लक्ष्मी एवं भगवान गणेश की प्रतिमाओं से मुकुट सहित सोने-चांदी के अन्य आभूषण चोरी कर फरार हो गया। घटना बुधवार रात करीब 2 बजे के आसपास की बताई जा रही है। घटना मंदिर के सामने लगे एक घर के सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। सीसीटीवी फुटेज में एक युवक बैग लेकर मंदिर के मुख्य गेट के ऊपर खाली स्थान से अंदर प्रवेश करता हुआ दिखाई दे रहा है। मंदिर के पुजारी आनंद कुमार पाण्डेय ने बताया कि उन्होंने बुधवार शाम नियमित पूजा-अर्चना के बाद मंदिर बंद किया था। गुरुवार सुबह जब मंदिर खोला गया तो देवी-देवताओं की प्रतिमाओं से मुकुट सहित सभी कीमती आभूषण गायब मिले। उन्होंने बताया कि चोरी गए आभूषणों की अनुमानित कीमत करीब 7 से 8 लाख रुपये है। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस जांच में जुट गयी है।

चोरों ने एक ही रात में तीन किसानों के सिंचाई मोटर का किया चोरी

चोरी की घटना से किसानों में बढ़ी चिंता

मेट्रोरेज संवाददाता

मेदिनीनगर: पलामू जिला के हुसैनाबाद थाना अंतर्गत दंगवार पिकेट क्षेत्र में चोरी की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। मंगलवार की रात अज्ञात चोरों ने अलग-अलग गांवों के तीन किसानों के खेतों में लगे सिंचाई मोटर चोरी कर लिए। एक ही रात में तीन मोटर चोरी होने की घटना से किसानों में दहशत और आक्रोश का माहौल है।जानकारी के अनुसार, हुसैनाबाद प्रखंड के डुमरहाथा गांव निवासी अयोध्या सिंह तथा बरवाडीह गांव निवासी अभिमन्यु सिंह और अजय सिंह के खेतों में लगे सिंचाई मोटर चोर खोलकर ले गए। बुधवार सुबह जब किसान खेतों में पहुंचे तो मोटर गायब मिले। इसके बाद उन्होंने आसपास के लोगों को

सूचना दी और मामले की जानकारी हुसैनाबाद थाना को दिया है । पीड़ित किसानों ने चोरी गए मोटरों की बरामदगी और अज्ञात चोरों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि कुछ दिन पहले नावाडीह गांव में भी किसानों के खेतों से समरसेबल पंप चोरी हो चुके हैं। इसके अलावा क्षेत्र के कई गांवों में बकरा चोरी की घटनाएं भी सामने आई हैं। लगातार हो रही चोरी की वारदातों से ग्रामीणों और किसानों में असुरक्षा का माहौल है। लोगों ने पुलिस प्रशासन से रात्रि गश्त बढ़ाने और चोरी की घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने की मांग की है। इधर, हुसैनाबाद पुलिस ने मामले की छानबीन में जुट गयी है।

सदर अस्पताल की एमएनसीयू ने नवजात को दिया जीवन

धनबाद : सदर अस्पताल की एमएनसीयू (मदर न्यू बॉर्न केयर यूनिट) में गंभीर रूप से बीमार नवजात का सफल इलाज कर उसे जीवन दिया गया। नवजात की मां अन्नु कुमारी ने भावुक होकर कहा कि एमएनसीयू के डॉक्टर और सभी स्वास्थ्यकर्मी उनके लिए भगवान के समान हैं। बेहतर इलाज की बदौलत उनके नवजात को जिंदगी मिली है। अन्नु कुमारी और उनके पति किशोर साव के नवजात को सीवियर नियोनेटल सेप्सिस हो गया था। परिजन इलाज के लिए 16 जून को जमुई से देवघर पहुंचे और एक निजी अस्पताल में बच्चे को भर्ती कराया, लेकिन 22 जून की रात डॉक्टरों ने बेहतर इलाज के लिए दूसरे अस्पताल में ले जाने की सलाह दी।

एमएनसीयू के प्रभारी डॉ जितेंद्र कुमार ने बताया कि नवजात 22 जून को एमएनसीयू में भर्ती हुआ, तब उसे तेज बुखार, सांस लेने में तकलीफ और हाथ-पैरे में स्किन डिसऑर्डर की समस्या थी। रक्त कोशिकाओं में थक्के बनने से हाथ-पैर नीले पड़ने लगे थे। आवश्यक जांच के बाद विशेषज्ञ टीम ने इलाज शुरू किया। वर्तमान में नवजात की स्थिति काफी बेहतर है।

सांसद मनीष जायसवाल ने जारी किया रिपोर्ट कार्ड, कहा

2 साल बेमिसाल, केंद्र सरकार की योजना को दी गई गति

संवाददाता

हजारीबाग : सांसद मनीष जायसवाल ने अपने 2 साल का रिपोर्ट कार्ड जारी किया है। इन्होंने बताया कि 2 साल सेवा और समर्पण का रहा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दिखाए हुए रास्ते पर चलते हुए योजना समाज के अंतिम पायदान तक पहुंचाने के लिए हजारीबाग में काम किया गया है।

मनीष जायसवाल ने कहा कि केंद्र सरकार ने कई योजनाएं जनमानस के लिए धरातल पर उतारी हैं। उन योजनाओं को हजारीबाग में भी गति दी गई है। उन्होंने अपने रिपोर्ट कार्ड के जरिए बताया कि प्रधानमंत्री मोदी के 2047 के विकसित भारत की परिकल्पना हजारीबाग में पूरी की जा रही है। उन्होंने कहा कि संसद की कार्यवाही के दौरान उनकी उपस्थिति 96% रही है। इस दौरान 211 प्रश्न सदन में रखे गए। जिसमें स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास, कृषि, सड़क, पर्यावरण, महिला सशक्तिकरण, रोजगार, पेयजल जनजातीय समाज, ऊर्जा, आवास और साइबर सुरक्षा जैसे मामले शामिल थे।

उन्होंने बताया कि हजारीबाग में 3 सालों में प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा,

अटल पेंशन योजना और पीएम निधि योजना से लाखों लोगों को जोड़ा गया। कुसुम योजना के तहत हजारीबाग में 3023 और रामगढ़ में 2016 पंप किसानों को उपलब्ध कराए गए। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार के कार्य प्रणाली के कारण अभी भी कई लोगों को इस योजना का लाभ नहीं मिला है।

इसी तरह पीएम सड़क योजना के तहत हजारीबाग में 93 किलोमीटर और रामगढ़ में 66 किलोमीटर सड़क का निर्माण किया गया है। अब यह योजना अंतिम पायदान पर है। इसी तरह पीएम आवास योजना के तहत हजारीबाग में 10854 और रामगढ़ में 6622 आवास बनाए गए हैं। अमृत भारत स्टेशन के तहत बड़कागा रेलवे स्टेशन का कायाकल्प किया जा रहा है।

हजारीबाग में बरकाकाना और कोडरमा रेल मार्ग का दोहरे रेलवे ट्रैक का निर्माण कार्य चल रहा है। इस योजना के पूरे होने पर हजारीबाग को नई रेल सुविधा मिल पाएगी। महिला सशक्तिकरण को लेकर हजारीबाग में 820 गतिविधियां कराईए गई हैं। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के तहत भी बेटियों के स्वास्थ्य को लेकर काम किए गए हैं। उन्होंने कहा कि संसद की पहली जिम्मेदारी होती है कि वह केंद्र की योजना को अपने क्षेत्र में धरातल पर उतारे। उस क्षेत्र में कई काम किए जा रहे हैं। सांसद मनीष जायसवाल ने यह भी कहा कि उनके दो साल के कार्यकाल के दौरान 10 करोड़ रुपए सांसद निधि के रूप में प्राप्त हुए हैं। इसे लेकर 196 योजनाएं धरातल पर उतारी गई हैं। स्थानीय जिला प्रशासन और राज्य सरकार की जिम्मेदारी है कि जिस योजना की अनुशंसा की गई है उसे वह धरातल पर उतारें। लेकिन तस्वीर कुछ और ही है। उन्होंने कहा कि 10 करोड़ रुपया मेरे उनके खाते में नहीं बल्कि सरकार के खाते में रहता है। क्षेत्र में जिस योजना का अनुशंसा सांसद करते हैं उसे धरातल पर उतारना प्रशासन का काम है।

इसके अलावा सामाजिक सरोकारों से जुड़ा सांसद खेल महोत्सव, सांसद तीर्थ यात्रा, वधू सम्मान योजना धरातल पर उतारी गईं। जिससे कई लोगों को लाभ मिला है। उन्होंने सांसद तीर्थ यात्रा का जिक्र करते हुए कहा कि 29 जून 2025 से लेकर अब तक 4417 लोगों को तीर्थ यात्रा कराई गई है। आम जनता की मांग को देखते हुए एक और बस की शुरूआत की जाएगी। जिससे 1 साल में 10 हजार से अधिक लोगों को तीर्थ यात्रा कराई जा सकेगी। उन्होंने यह भी कहा कि आने वाले समय में हजारीबाग में एयरपोर्ट बने इसे लेकर केंद्र सरकार के मंत्री और राज्य सरकार से भी वार्ता की गई है। सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री का 12 वर्ष का कार्यकाल 'सेवा, सुशासन और विकास' का ऐतिहासिक अध्याय रहा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दिखाए हुए रास्ते पर हजारीबाग में भी काम किए गए। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में भी केंद्र सरकार की योजना को धरातल पर उतारा जाएगा।